CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-299
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 01 फरवरी 2024

आज का विचार

आराम सत्य की कोई परीक्षा नहीं है। सच्चाई अक्सर सहज होने से बहुत दूर होती है।
-स्वामी विवेकानंद

पेज-04

नए संसद में पहला अंतरिम बजट पेश

निर्मला सीतारमण का बजट भाषण- 40 हजार नॉर्मल रेल डिब्बों को वंदे भारत में बदला जाएगा

टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं

9 से 14 साल की लड़कियों को मुफ्त टीका

प्रधानमंत्री आवास योजना में दो करोड़ घर और बनेंगे

मोदी सरकार का मिडिल क्लास को तोहफा

घर के साथ फ्री बिजली की तैयारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार, एक फरवरी को बजट पेश किया। उन्होंने 58 मिनट लंबा भाषण दिया। यह अंतरिम बजट है, क्योंकि अप्रैल-मई में आम चुनाव होने हैं। नई सरकार बनने के बाद पूर्ण बजट जुलाई में पेश हो सकता है। वित्त मंत्री सीतारमण के कार्यकाल का यह छठा बजट है। सरकार की ओर से महिलाओं के लिए मध्यप्रदेश की तर्ज पर 'लाडली बहना' जैसी कोई खास स्कीम, किसानों के लिए पीएम किसान की राशि में बढ़ोतरी, गरीबों के लिए सोशल वेलफेयर स्कीमों का दायरा बढ़ाने और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करने पर फोकस हो हुआ. इतना ही सरकार ने 2027 तक देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है जिसके लिए सरकार मैन्यूफै• रिंग से लेकर स्टार्टअप तक इकोनॉमी को मजबूत करने की नीति पेश की है.

उम्मीदों पर भारी पड़ी परंपरा :

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखा है। दरअसल, अंतरिम बजट में किसी तरह की लोकलुभावन घोषणाएं नहीं की जाती हैं। यही वजह है कि सरकार ने किसी तरह की घोषणाएं करने से परहेज किया है।

आयकर स्लैब में बदलाव नहीं:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिलहाल आयकर दाताओं को राहत नहीं दी गई है। 7 लाख तक की आय पर टैक्स नहीं लिया जाता है। इनकम टैक्स भरने की प्रक्रिया आसान की गई है। रिफंड भी जल्द जारी किया जाता है। जीएसटी संग्रह दो गुना हो गया है। जीएसटी से अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को बदला गया है।

वित्त मंत्री ने राजकोषीय घाटे का लक्ष्य संशोधित किया:

वित्त मंत्री ने कहा किदेश के फिस्कल डेफिसिट को जीडीपी के सामने संशोधित करके 5.8 फीसदी पर कर दिया गया है। टैक्स रिसीट के बजट को भी संशोधित किया गया है। हम फिस्कल कंसोलिडेशन के लक्ष्य को संशोधित कर रहे हैं। 24-25 में देश के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को जीडीपी के कुल आकार के सामने घटाकर 5.1 फीसदी पर किया जा रहा है।

'देश की विमान कंपनियां एक हजार नए विमान खरीद रही हैं'

वित्त मंत्री ने देश में विमानन क्षेत्र के लिए एलान करते हुए कहा कि 'अब देश में 149 विमानतल हैं। टियर-2 और टियर-3 शहरों को 'उड़ान' के तहत विस्तार दिया जा रहा है। देश की विमानन कंपनियां एक हजार नए विमान खरीद रही हैं।'

10 साल में तीन गुना टैक्स कलेक्शन बढ़ा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, राजकोषीय घाटा 5.1 फीसदी रहने का अनुमान है। 44.90 करोड़ रुपए का खर्च है और 30 लाख करोड़ का रेवन्यू आने का अनुमान है। 10 साल में इनकम टैक्स कलेक्शन तीन गुना बढ़ गया है। मैंने टैक्स रेट में कटौती की है। 7 लाख की आय वालों को कोई कर देय नहीं है। 2025-2026 तक घाटा को और कम करेंगे।

1 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, लखपति दीदी को बढ़ावा दिया जाएगा। 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ का निर्णय लिया है। 9 करोड़ महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। लखपति दीदी से आत्मनिर्भरता आई है।

जनधन खातों में पैसा डालने से 2.7 लाख करोड़ रुपये की बचत- वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जनधन खातों में पैसा डालने से 2.7 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है और सरकार का आर्थिक प्रबंधन इस उच्च स्तर का है जिससे देश को नई दिशा और नई उम्मीद मिली है। देश की आर्थिक प्रगति में देश के सभी राज्य और वर्ग सामूहिक रूप से लाभ उठा सकें, इसका प्रबंध मोदी सरकार ने किया है। फाइनेंशियल सेक्टर को ज्यादा मजबूत, ज्यादा आसानी से संचालन में सक्षम बनाया जा रह है। देश की महंगाई को लेकर जो कठिन चुनौतियां थीं, उनको दूर किया जा रहा है और महंगाई के आंकड़े नीचे आए हैं।

हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, सर्वाइकल कैंसर रोकने की कोशिश होगी। इसके लिए टीकाकरण करेंगे। किसानों की आय बढ़ाने की कोशिश होगी। मिशन इंद्रधनुष में टीकाकरण बढ़ाया जाएगा। नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इसके लिए कमेटी गठित करेंगे। 9 से 14 साल की लड़कियों को मुफ्त टीका लगाया जाएगा। फसलों पर NANO डैप का इस्तेमाल होगा। डेयरी विकास के क्षेत्र में अच्छा काम होगा। दुग्ध किसानों को बढ़ावा दिया जाएगा। 1361 मंडियों को eName से जोड़ा जाएगा। अगले 5 साल में विकास की नई परिभाषा गढ़ेंगे। आशा बहनों को भी आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। तिलहन के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी।

80 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया

निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश की जनता भविष्य की तरफ देख रहे हैं। वे आशान्वित हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं। अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखे जा रहे हैं। सरकार सबका साथ सबका विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हर घर जल, सभी को बिजली, गैस, वित्तीय सेवाएं और बैंक अकाउंट खोलने के लिए काम किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि खाद्यान्न की चिंताओं को दूर किया है, 80 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया है।

राष्ट्रपति ने निर्मला सीतारमण का मुंह मीठा कराया

बजट को मंजूरी दिलाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कैबिनेट मीटिंग से पहले राष्ट्रपति भवन पहुंची थीं। वहां बजट को मंजूरी देने के बाद राष्ट्रपति ने निर्मला सीतारमण का मुंह मीठा कराया।

ज्ञानवापी तहखाने में कोर्ट-ऑर्डर के बाद 8 घंटे में पूजा

वाराणसी की अदालत ने दोपहर 3 बजे आदेश दिया, प्रशासन ने रात 11 बजे आरती कराई

वाराणसी जिला अदालत द्वारा हिंदू समुदाय को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा का अधिकार दिए जाने के चंद घंटों बाद बुधवार देर रात तहखाने को खोलकर उसमें पूजा की गई। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज करते हुए इसे नियत प्रक्रिया से परे गतिविधि करार दिया है। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे 31 साल बाद व्यास जी का तहखाना पूजा-पाठ के लिए खोला गया और उसकी साफ-सफाई कराई गई।

साफ सफाई के बाद तहखाने में लक्ष्मी-गणेश की आरती की गई- स्थानीय लोग: इस सवाल पर कि क्या तहखाने में पूजा शुरू हो गई है, उन्होंने कहा कि हां। पांडेय ने कहा कि जैसा कि न्यायालय का आदेश था, उसका पालन करना भी जरूरी था तो जिला प्रशासन ने बड़ी मुस्तैदी के साथ सारी व्यवस्था कर दी है। मुझे लगता है कि और जो भी कमी रह गई है उसे धीरे-धीरे पूरा कर लिया जाएगा। इस सवाल पर कि आज तहखाने के अंदर क्या हुआ, जिलाधिकारी एस. राजालिंगम ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मैंने अदालत का जो आदेश है उसका अनुपालन किया है। कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि साफ सफाई के बाद तहखाने में लक्ष्मी-गणेश की आरती की गई। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले रात करीब साढ़े 9 बजे काशी-विश्वनाथ ट्रस्ट के सदस्यों को बुलाकर नंदी महाराज के सामने लगी बैरिकेडिंग को हटाकर रास्ता खोला गया। यह तहखाना ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर स्थित है। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज करते हुए इसे नियत प्रक्रिया से परे गतिविधि करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर गुरुवार को कहा कि किसी भी अदालती आदेश का पालन करते समय उचित प्रक्रिया को बनाए रखना होगा। वाराणसी की अदालत ने इसके लिए सात दिन की अवधि तय की थी। अब हम जो देख रहे हैं वह नियत प्रक्रिया से परे जाने और किसी भी कानूनी सहारे को रोकने का एक ठोस प्रयास है। वाराणसी की जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने का आदेश दे दिया। मुस्लिम पक्ष ने इस आदेश को अदालत में चुनौती देने का फैसला किया है। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने तहखाने में पूजा पाठ करने का अधिकार व्यास जी के नाती शैलेन्द्र पाठक को दे दिया है। उन्होंने दावा किया कि इस तहखाने में वर्ष 1993 तक पूजा-अर्चना होती थी मगर उसी साल तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार ने इसे बंद करा दिया था।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

अभिजित मुहूर्त में प्रसन्नचित ध्यान मुद्रा में विराजे श्यामवर्ण के श्रीराम

अयोध्या की तर्ज पर बने 350 वर्ष पुराने श्री राम मंदिर खातीपुरा में बुधवार को माघ कृष्ण पक्ष पंचमी तिथि पर अभिजित मुहूर्त में ध्यान और प्रसन्नमुद्रा में श्यामवर्ण के रामजी विराजे। श्रीराम के जयघोष के साथ प्रभु की आरती हुई।इस मौके पर मलुक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज ने कहा कि यह बहुत गौरवशाली क्षण है कि अयोध्या राम मंदिर में जिस तरह भगवान रामलला विराजे उसी तरह इंदौर राम मंदिर में पंचमी तिथि को भगवान विराजे हैं। अब अयोध्या के राम मंदिर के इतिहास के साथ ही इंदौर राम मंदिर का इतिहास भी जुड़ गया है। साकेतवासी महामंडलेश्वर लक्ष्मणदास महाराज ने मंदिर में रामगोपालदास महाराज का खूब साथ दिया। खातीपुरा राम मंदिर अद्भुत संत सेवा का स्थान है, निरंतर संतों की सेवा होती है। खातीपुरा श्रीराम मंदिर पर 1 फरवरी को सुबह 11 बजे श्रीराम मंदिर गादी का पूजन किया जाएगा। उसके बाद शाम 7 बजे से भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या आयोजित होगी। नक्षत्र अनुसार स अक्षर से रखा सीता सर्वेश्वर भगवान नाम महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने बताया कि पांचवें दिन बुधवार को सुबह मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम-सीता और लक्ष्मणजी की नई मूर्तियां मलुक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर किशोर महाराज सहित देशभर के साधु-संतों के सान्निध्य में आचार्य पंडितों के वेद मंत्रों के बीच विराजित की गई। वृंदावन के आचार्य विष्णुकांत शास्त्री महाराज के आचार्यत्व में प्राण प्रतिष्ठा हुई। भगवान की पुरानी मूर्तियां भी विराजित की गई। संयोजक विधायक रमेश मेंदोला, मुख्य यजमान शशि अशोक बिदासरिया, पार्थ बिदासरिया ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। सहस्त्रधारा से विधि-विधान से भगवान का अभिषेक किया गया। उसके बाद भगवान का नामकरण किया गया, जिसमे अभिजित मुहूर्त में नक्षत्र के अनुसार स अक्षर आया, उसमे मलुक पीठाधीश ने भगवान का नाम श्री सीता सर्वेश्वर भगवान रखा गया। नामकरण हुआ।

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर को सुंदर और सुविधायुक्त बनाने के लिए बनेगा मास्टर प्लान

खजराना गणेश मंदिर को अधिक सुंदर बनाने और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं जुटाने के लिए विकास कार्य करवाए जाएंगे। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार होगा। आवश्यकता के अनुसार मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। यह निर्णय कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में किया गया।बैठक में मुख्य मंदिर की अधोसंरचना के नवीनीकरण के प्रोजेक्ट का प्रेजेन्टेशन दिखाया गया। बाह्य परिसर के सुंदरीकरण के लिए स्मार्ट सिटी के अर्बन प्लानर द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट का अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने मंदिर परिसर का 15 दिवस में मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

मास्टर प्लान में पुजारी, भक्तों के सुझाव व जनसहयोग का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य वरिष्ठ पुजारी मोहन भट्ट, अशोक भट्ट, पुजारी जयदेव भट्ट, सभी पुजारी, प्रभागीय वन अधिकारी सोलंकी, अपर आयुक्त नगर निगम मनोज वर्मा, अति. पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह, स्मार्ट सिटी के सौरभ माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

स्वर्ण मुकुट के लिए बनेगी समिति

गणपति के नए स्वर्ण मुकुट बनाने के लिए समिति गठित करने के निर्देश दिए। मुख्य मंदिर की बाह्य दीवार पर लगी चांदी की मरम्मत व नवीनीकरण के साथ ही शिव मंदिर एवं दुर्गा मंदिर की बाह्य दीवार पर भी जनसहयोग से चांदी लगाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए समिति गठित की जाएगी। मुख्य मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किए जाने की प्रक्रिया के निर्धारण के लिए एक उपसमिति का गठन किए जाने का निर्णय लिया गया।

भूमाफिया चंपू अजमेरा और तेल कारोबारी कैलाश गर्ग के ठिकानों पर ईडी के छापे

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने प्रदेश के इंदौर, जावरा, कालापीपल, मंदसौर क्षेत्र में बुधवार को एक साथ छापेमारी की। छापों के केंद्र में इंदौर में हुआ बैंक घोटाला और यहां कारोबारी रहे। भूमाफिया रितेश उर्फ चंपू अजमेरा के साथ ही तेल और सोया उद्योग से जुड़े कैलाश गर्ग के ठिकानों पर ईडी की टीमें पहुंचीं।अजमेरा के इंदौर पालीवाल नगर स्थिर घर के साथ गर्ग के सपना-संगीता स्थित आफिस-घर के अलावा प्रदेश में अलग-अलग शहरों में स्थित सोयाबीन व साल्वेंट प्लांटों पर भी ईडी ने दबिश दी। गर्ग व अजमेरा पर 110 करोड़ से ज्यादा का बैंक लोन घोटाला करने का आरोप है। सीबीआइ इस मामले में पहले ही एफआइआर दर्ज कर चुकी है। करोड़ों रुपये विदेश भेजने के मिले सबूत बैंक लोन घोटाले के करोड़ों रुपये विदेश भेजने के साथ ही काले धन को सफेद करने के लिए विभिन्न कंपनियों में घुमाकर लाभ लेने और बैंकों को चूना लगाने के सबूत जांच एजेंसियों को मिले हैं। इसके बाद ईडी ने मनी लांड्रिंग एक्ट में प्रकरण दर्ज करते हुए ताजा कार्रवाई शुरू की है। 110.50 करोड़ रुपये का लोन कैलाश गर्ग ने अपने परिवार के सुरेश गर्ग के साथ मिलकर अपनी कंपनी मेसर्स नारायण निर्यात इंडिया कंपनी मंदसौर के नाम से यूको बैंक की अगुवाई वाले तीन बैंकों के कंसोर्टियम से 110.50 करोड़ रुपये का लोन लिया था। बाद में गर्ग परिवार ने अपनी अलग-अलग कंपनियों में बैंक लोन के पैसे को ट्रांसफर कर दिए।

राज्यसेवा परीक्षा परिणाम के 12 दिन बाद भी जारी नहीं हुआ स्कोर कार्ड

सिटी चीफ इन्दौर

राज्यसेवा प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी करने के 12 दिनों बाद भी मप्र लोकसेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने अभ्यर्थियों का स्कोर कार्ड जारी नहीं किया है। तीन टुकड़ों में जारी परिणाम को देखकर अभ्यर्थी खुद के सफल-असफल होने का आकलन नहीं कर पा रहे हैं। हर बार परीक्षा के नतीजे से पहले एमपीपीएससी स्कोर कार्ड जारी करता है। बताया जा रहा है कि प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी की पौध बनाने वाला लोकसेवा आयोग तकनीकी रूप से इतना कमजोर है कि वेबसाइट पर स्कोर कार्ड अपलोड नहीं कर पा रहा है।परीक्षा में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों के स्कोर कार्ड आमतौर पर एमपीपीएससी परिणाम के एक-दो दिन पहले जारी कर देता है। स्कोर कार्ड जारी करने के बाद ही मेरिट की गणना कर चयन सूची बनती है और परिणाम जारी होता है। इस बार परीक्षा में उल्टा हो रहा है कि चयन सूची तो जारी कर दी गई, लेकिन स्कोर कार्ड का पता नहीं है। अभ्यर्थी ज्यादा परेशान इसलिए हैं कि एमपीपीएससी तीन चयन सूची जारी करता है। एक मुख्य चयन सूची होती है, जिसमें सिर्फ पदों के अनुपात में 87 प्रतिशत के लिए ही चयन होता है। दो 13-13 प्रतिशत की चयन सूची होती है। इनमें से एक ही सूची वाले अंतिम तौर पर चयनित होंगे। कौन अंतिम तौर पर चयनित होगा, यह ओबीसी आरक्षण विवाद पर कोर्ट का निर्णय आने पर भी साफ होगा। सूचियों की इन उलझन के बीच ऐसे अभ्यर्थी जो चयन सूची में नहीं हैं, वे भी देखना चाहते हैं कि उनके अंक कितने रहे और प्रदर्शन कहां कमजोर पड़ा। स्कोर कार्ड के साथ अभ्यर्थियों को उनकी ओएमआर शीट भी डाउनलोड करने की सुविधा मिलती है, लेकिन इस परीक्षा में वो भी नहीं मिल रही। 2.30 लाख अभ्यर्थियों ने लिया था हिस्साआॅ राज्यसेवा 2023 की प्रारंभिक परीक्षा 17 दिसंबर को आयोजित हुई थी। कुल 229 पदों के लिए हुई राज्यसेवा प्रारंभिक परीक्षा में कुल 2 लाख 30 हजार अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। पीएससी ने 18 जनवरी को परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। मुख्य भाग में 5589 अभ्यर्थियों को परीक्षा के अगले दौर के लिए चयनित घोषित किया गया है, जबकि प्रावधिक भाग में कुल 1073 अभ्यर्थियों को रखा गया। इस कटआफ भी ऊपर गया है। ऐसे में स्कोर कार्ड को लेकर जिज्ञासा भी ज्यादा है। पीएससी स्कोर कार्ड आनलाइन वेबसाइट पर जारी करता है। अभ्यर्थियों को यदि ओएमआर शीट डाउनलोड करना हो तो उसके लिए अलग से फीस लेता है। इससे भी आयोग की अच्छी खासी कमाई हो जाती है। हालांकि पीएससी की देरी परेशान कर रही है।

बोर्ड परीक्षा में 21 संवेदनशील परीक्षा केंद्र, रहेगी विशेष निगरानी

सिटी चीफ इन्दौर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं पांच फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। जिले में बने 137 केंद्रों पर 10वीं में 49415 और 12वीं में 39151 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस बार 21 परीक्षा केंद्र संवेदनशील श्रेणी में है, यहां पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इस बार इन केंद्रों में 64 निजी स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है, लेकिन इनमें से एक भी संवेदनशील नहीं है।हर साल कुछ परीक्षा केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा जाता था, क्योंकि यहां पर निजी स्कूलों के विद्यार्थी परीक्षा देने आते थे। इस बार भी कई परीक्षा केंद्र बने सरकारी स्कूलों में निजी स्कूलों के परीक्षार्थी परीक्षा देने आएंगे, लेकिन इन केंद्रों में कुछ को ही संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इसमें कन्या हाई स्कूल किला मैदान, एसीएम कन्या उमावि क्र.-2, उन्नत हाई स्कूल संगम नगर आदि शामिल है। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही अलग-अलग उड़नदस्ते भी सतत निगरानी रखेंगे। 12 केंद्र कम हो गए गत वर्ष 149 परीक्षा केंद्र बनाएं गए थे, लेकिन इस बार 137 केंद्र बनाएं गए हैं। दरअसल इस बार उन सरकारी और निजी स्कूलों को केंद्र बनाया गया है, जहां बैठक क्षमता अधिक है। इस लिए इस बार 12 परीक्षा केंद्र की संख्या कम हो गई है। कई केंद्रों पर क्षमता से अधिक परीक्षार्थी कई परीक्षा केंद्र ऐसे भी है, जहां पर क्षमता से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें उर्दू कन्या उमावि हाथीपाला में परीक्षार्थी क्षमता 400 है, जबकि यहां 428 परीक्षार्थी बैठेंगे। शारदा कन्या उमावि में क्षमता 600 की है, लेकिन परीक्षा 612 देंगे। इसी तरह बाल विनय मंदिर में क्षमता 750 है, लेकिन यहां पर 759 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

इंदौर में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया, 56 निर्माण ध्वस्त

सिटी चीफ इन्दौर

सिरपुर क्षेत्र में प्रशासन ने 56 अतिक्रमण जमींदोज कर 9.5 करोड़ की सरकारी और निजी जमीन मुक्त कराई। खिजराबाद कालोनी में कुछ लोगों ने पत्थरबाजी की, जिससे नगर निगम का जेसीबी चालक बबलू यादव घायल हुआ। पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार किया।सिरपुर क्षेत्र की तीन कालोनियों खिजराबाद, लक्ष्मीनगर और न्यू लक्ष्मीनगर में हो रहे अवैध निर्माण की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम ने दो और तीन मंजिला निर्माणों को जमींदोज किया। मल्हारगंज एसडीएम ओम नारायण बड़कुल ने बताया कि कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश के बाद कार्रवाई शुरू की गई। खिजराबाद में 37, लक्ष्मीनगर और न्यू लक्ष्मीनगर में 19 अवैध निर्माण तोड़े गए। यहां 2.17 हेक्टेयर सरकारी जमीन मुक्त कराई गई। इसकी अनुमानित कीमत आठ करोड़ से अधिक है। कार्रवाई शाम तक चली। खिजराबाद कालोनी में पथराव करने पर दो आरोपित असलम खान और उमर दोनों निवासी सिरपुर को गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के अवैध निर्माण भी ध्वस्त किए। एसडीए बड़कुल का कहना है सिरपुर क्षेत्र में अवैध कालोनी काटने को लेकर जफर खान सरदार खान और साथियों की भूमिका सामने आई हैं। इनके विरुद्ध जांच की जा रही है। जल्द ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोगों को धमकाने और अन्य आरोपों में जफर के बंदूकधारी सुरक्षाकर्मी सलीम हुसैन को भी गिरफ्तार किया है। अवैध रूप से प्लाट काटकर इकरारनामे पर बेचा एसडीएम बड़कुल ने बताया कि कार्रवाई लक्ष्मी नगर सर्वे नंबर 89, न्यू लक्ष्मीनगर सर्वे नंबर 33 व खिजरबाग खसरा नंबर 95/4, 95/5 तथा 96 की भूमि पर की गई। लक्ष्मीनगर में अवैध रूप से प्लाट काटकर उसे इकरारनामे पर बेचा गया। न्यू लक्ष्मीनगर में अनुसूचित जाति व जनजाति कल्याण विभाग को आवंटित शासकीय भूमि पर प्लाटिंग कर अवैध कब्जे कराए गए। इसी प्रकार खिजराबाग की सरकारी भूमि पर अवैध कालोनी बनाई गई।

इंदौर में चलती बाइक से गिराया और चाकू मारकर सब्जी व्यापारी से रुपये लूटे

सिटी चीफ इन्दौर

भंवरकुआं थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने सब्जी व्यापारी को लूट लिया। बदमाशों ने व्यापारी का पीछा किया और लात मारकर चलती बाइक से नीचे गिरा दिया। रुपये न देने पर आरोपितों ने चाकू भी मारे और रुपये लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन कुछ भी सुराग नहीं मिला। पुलिसकर्मी अब सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाल रही है। उन बदमाशों की भी जानकारी निकाली जा रही है जो लूट-चोरी के मामलों में जेल से रिहा हुए है। पुलिस के मुताबिक घटना रिंग रोड़ पर प्रतिक्षा ढाबा के समीप की है। गुरुवार सुबह सब्जी व्यापारी देवेंद्र लोधी निवासी चौधरी पार्क मूसाखेड़ी सब्जी खरीदने-बेचने के सिलसिले में चोइथराम सब्जी मंडी जा रहे थे। देवेंद्र ने पुलिस को बताया कि बाइक पर आए बदमाशों ने इशारा कर रुकने के लिए कहा। शक होने पर देवेंद्र ने बाइक नहीं रोकी तो बदमाश उसका पीछा करने लगे।आरोपितों ने बाइक करीब लगाई और देवेंद्र की बाइक को जोर से लात मारी।देवेंद्र बाइक सहित नीचे गिए गए। आरोपितों ने रुपये मांगे पर देवेंद्र ने मना कर दिया। एक बदमाश ने उसे चाकू मारा और जेब में रखे 5 हजार रुपये निकाल लिए। देवेंद्र को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल में भिजवाया है। पुलिस घटनास्थल व उसके आसपास से सीसीटीवी फुटेज निकाल रही है। 8 लाख लेकर भागा नौकर तीसरे दिन भी फरार बर्तन फैक्टरी संचालक के आठ लाख रुपये लेकर भागा नौकर तीसरे दिन भी हाथ नहीं आया। फैक्टरी संचालक ने आरोपित का फोटो और सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपे है। पुलिस अभी तक आवेदन पत्र की ही जांच कर रही है। गांधीनगर को फरियादी पंकज कसेरा ने शिकायत कर कहा था कि नौकर संदीप को चाय लेने भेजा था। जिस गाड़ी से चाय लेने भेजा उसकी डिक्की में आठ लाख रुपये रखे थे। संदीप ने रुपये निकाले और गाड़ी सांवेर रोड़ स्थित अरविंदो अस्पताल की पार्किंग में छोड़ दी। बुधवार को उसने काल कर कहा कि एक्सिडेंट हो गया था। गाड़ी अस्पताल की पार्किंग में छोड़ दी है।

मालवा एक्सप्रेस का पावर फेल सवा घंटे खड़ी रही ट्रेन

सिटी चीफ इन्दौर

महू-मां वैष्णोदेवी कटरा मालवा एक्सप्रेस बुधवार को उज्जैन के आगे ताजपुर और तराना के बीच पावर फेल होने से सवा घंटे खड़ी रही। बेरछा स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के इंजन से मालवा एक्सप्रेस को भोपाल की ओर रवाना किया गया।उज्जैन के आगे दोपहर 2.30 बजे ताजपुर और तराना के बीच अचानक ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन ट्रिप हो गई। 2.50 बजे मालवा एक्सप्रेस का पावर फेल हो गया। सवा घंटे तक ट्रेन खड़ी रही। इसके बाद बेरछा रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी का इंजन लगाया गया। इंदौर-पुणे-इंदौर के फेरे बढ़ाए ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए रतलाम मंडल द्वारा इंदौर-पुणे (09324) स्पेशल ट्रेन के फेरों को 29 फरवरी तक बढ़ा दिया है। पहले इंदौर से अंतिम फेरा बुधवार को रवाना हुआ है, लेकिन पुणे के लिए नियमित ट्रेन चलने के बावजूद इस ट्रेन की मांग बढ़ रही है। यह ट्रेन प्रति बुधवार को इंदौर से रवाना होती है। इंदौर-लिंगमपल्ली एक्सप्रेस और इंदौर-पुरी एक्सप्रेस में बढ़ रही वेटिंग के चलते मंडल द्वारा दोनों ट्रेन में अतिरिक्त एक-एक स्लीपर कोच लगाया गया है।

जैन संतों के महामिलन के साथ ही कांच के टनल में देख सकेंगे मछलियों की रंगीन दुनिया

शहर में विभिन्न धार्मिक सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन गुरुवार को होंगे। इसमें श्रीराम मंदिर खातीपुरा के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में गादी पूजन और नाहर शाह वली के उर्स में सूफियानी कव्वाली होगी। इसके साथ ही पर्यावरण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए व्याख्यान होगा। जैन संतों का महामिलन और कांच के टनल में आप मछलियों की रंगीन दुनिया देख सकते है। दिगंबर जैन संतों के दो संघों का मिलन गुमास्ता नगर मंदिर में होगा। मिलन विहर्ष सागर महाराज और आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि प्रणीत सागर महाराज एवं मुनि निरमोह सागर का होगा। इस घड़ी के साक्षी बनने के लिए सुबह गोपुर चौराहे पर सैकड़ों समाजजन एकत्रित होंगे। चौराहे से मंदिर तक चल समारोह निकलेगा।- राम मंदिर खातीपुरा के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अभय प्रशाल रेसकोर्स रोड पर दोपहर 3 बजे से श्रीमद भागवत कथा होगी। कथा मलुकापीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य के मुखारविंद से होगी।इसके पहले मंदिर में गादी पूजन सुबह 11 बजे होगा। रात 8 बजे भजन संध्या आयोजित की जाएगी। - पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के विषय में आप कितने चिंतित हैं और इसे बेहतर बनाने के लिए क्या प्रयास हो सकते हैं। इस पर यदि आप कुछ जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो शाम 5 बजे अभय प्रशाल स्थित होलकर ज्ञान मंडपम पहुंच जाएं।

श्वानों के आतंक से कराहते मप्र के नगर-कस्बे, हमले बढ़े और नियंत्रण के उपाय घटे

सिटी चीफ इन्दौर

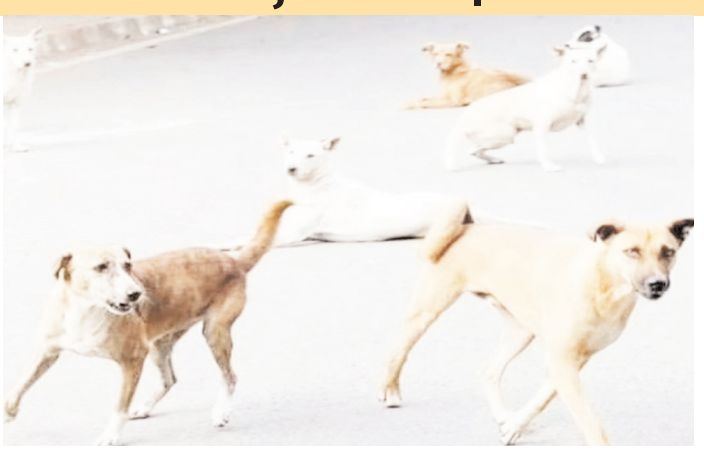

भारतीय समाज में मनुष्य के साथ पालतू पशुओं और अन्य जानवरों के सहजीवन की परंपरा है। उनके आपसी स्नेह और विश्वास की कहानियां भी सुनी-सुनाई जाती हैं। श्वान को मनुष्य का विश्वासपात्र जानवर माना जाता रहा है। घरों-मोहल्लों के आसपास पाए जाने वाले बेसहारा (आवारा) श्वान के मामले में भी यह लागू होता है, लेकिन बीते कुछ सालों में बदलते वातावरण और जीवनशैली के साथ इनके साथ रिश्तों को नए सिरे से देखने की जरूरत महसूस होने लगी है। बेसहारा श्वानों द्वारा लोगों पर हमले और काटने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।स्थिति यह है कि नगरीय निकायों के लिए यह श्वान बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। कई बार तो यह कानून-व्यवस्था का मुद्दा बन चुका है। जानवरों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण के चलते उन स्थितियों की गहन समीक्षा की जरूरत है जिनके कारण बेसहारा श्वानों को नियंत्रित किया जा सके। इन्हीं मुद्दों की गहन पड़ताल-विश्लेषण करते हुए 'नईदुनिया' एक समाचारीय अभियान शुरू कर रहा है। इसमें इस गंभीर विषय के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए उपाय बताए जाएंगे। मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर तो ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं कि श्वान झुंड बनाकर लोगों पर हमला कर चुके हैं। भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र के सैन्य इलाके में श्वानों ने सात साल के मासूम को नोंच-नोंचकर मार डाला। श्वान उसकी कमर के नीचे के हिस्से को खा गए। बच्चे को ढूंढने निकली मां को उसका शव झाड़ियों में मिला। इसी महीने आशिमा माल के पास तीन वर्षीय सुलेमान को छह जनवरी को बेसहारा श्वानों ने काट लिया। एंटी-रैबीज इंजेक्शन लगवाने के बाद भी 15वें दिन उसकी मौत हो गई। श्वानों का हिंसक होता व्यवहार यहीं नहीं रुक रहा। श्वान घर में घुसकर खेल या सो रहे बच्चों पर हमला कर रहे हैं। ग्वालियर अंचल में जनवरी माह में दो महिलाओं और एक बच्चे को श्वानों ने इतने गहरे घाव दिए कि उनकी सर्जरी करवानी पड़ी। भिंड रोड स्थित कुंज बिहार कालोनी निवासी अर्चना शर्मा को पांच जनवरी को श्वान ने इतने बुरे तरीके से काटा कि गहरा जख्म हो गया। हाथ से मांस तक निकल आया था। जबलपुर जिले का यह आंकड़ा भी श्वानों के काटने की भयावहता को दिखाता है कि यहां हर महीने औसतन साढ़े तीन हजार लोग इसका शिकार हो रहे हैं। ये आंकड़े केवल सरकारी अस्पतालों के हैं। डाक्टरों के अनुसार ठंड और वर्षा के मौसम श्वानों के काटने के मामले बढ़ जाते हैं। यहां के जिला अस्पताल विक्टोरिया में हर वर्ष हाइड्रोफोबिया के औसतन 16 मरीज भर्ती होते हैं। एंटी-रैबीज इंजेक्शन नहीं लगाने पर होने वाले हाइड्रोफोबिया का इलाज भी नहीं है। देश के सबसे स्वच्छ शहर में भी बेसहारा श्वानों के हमले बढ़े हैं। दिसंबर, 2023 में केवल एक ही सरकारी अस्पताल में श्वानों के काटने पर एंटी-रैबीज इंजेक्शन लगवाने लोग पहुंचे। निजी अस्पतालों के आंकड़ों का तो कोई रिकार्ड ही नहीं रखा जाता। डाक्टरों के अनुसार यह आंकड़ा कई गुना अधिक हो सकता है। वैज्ञानिक अध्ययन और रणनीति बिना नियंत्रण मुश्किल बेसहारा श्वानों की बढ़ती संख्या और हमलों से निपटने के नाम पर नगरीय निकाय नसबंदी अभियान चलाते हैं। अनियोजित तरीके से चलाए जा रहे अभियान और इन पर खर्च की जा रही करोड़ों रुपये की राशि बेकार ही हो रही है। दरअसल किसी नगरीय निकाय या प्रदेश सरकार ने अब तक बेसहारा श्वानों की वास्तविक संख्या की गणना तक नहीं कराई है। न ही ऐसे श्वानों की जनसंख्या वृद्धि दर के संबंध में ही सरकार के पास कोई आंकड़ा है। इसके चलते जिस गति से नसबंदी की जाती है उससे अधिक जन्मदर होने से हर साल श्वानों की संख्या घटने के बजाय बढ़ रही है। यही कारण है कि कुछ वर्षों में समस्या विकराल हुई है। इसी तरह श्वानों के हमलों में गंभीर घायल होने वाले जान गंवाने वाले पीड़ितों के इलाज, मुआवजे को लेकर स्पष्ट नीति नहीं है जो आम जनता की परेशानी बढ़ा रही है। आवश्यक है कि नगरीय निकाय, राजस्व विभाग, पशु चिकित्सक और वन विभाग आदि के अधिकारियों सहित विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर इस समस्या के वैज्ञानिक अध्ययन और संभावित हल की तलाश के लिए कदम उठाए जाएं।

दिन में खिल रही धूप, रात में हल्की ठंड

पांच दिन बाद बदल सकता है मौसम का मिजाज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से पाकिस्तान के मध्य से लेकर राजस्थान तक एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। इसके अतिरिक्त उत्तर भारत से लेकर मध्य प्रदेश तक लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिमी जेट स्ट्रीम अभी भी बना हुआ है।अलग-अलग स्थानों पर बनी तीन मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदल गया है। हवाओं के साथ नमी आने की वजह से पूरे प्रदेश में मध्यम एवं ऊंचाई के स्तर पर बादल छाने लगे हैं। इसके चलते फिलहाल लोगों को कड़ाके की ठंड से भी राहत मिल गई है। ऐसी रही पारे की चाल इसी क्रम में बुधवार की तरह गुरुवार को भी प्रदेश के सभी शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज

किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दिन के मुकाबले 1.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 1.4 सेल्सियस लुढ़ककर 12.6 डिग्री पर पहुंच गया। बुधवार को भोपाल में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं दिन का तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दिन के मुकाबले 1.4 डिग्री अधिक है। बुधवार को प्रदेश में दिन का सबसे अधिक 30.4 डिग्री सेल्सियस तापमान खरगोन में दर्ज किया गया।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ अभी सक्रिय है। तीन फरवरी को एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इस वजह से अभी पांच-छह दिन तक कड़ाके की ठंड से राहत बनी रहने के आसार हैं। मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है। साथ ही वहां के मैदानी क्षेत्रों में वर्षा होने के भी आसार हैं। इस वजह से उत्तर भारत से लगे ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में भी कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। उधर, तीन फरवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इस वजह से पांच-छह फरवरी तक ठंड से राहत बनी रह सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के बाद हवाओं का रुख उत्तरी होने से एक बार फिर रात के तापमान में गिरावट हो सकती है।

अवैध संबंध के शक में की थी हत्या पति-पत्नी को आजीवन कारावास

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र ने बुधवार को हत्या के एक सनसनीखेज मामले की सुनवाई करते हुए आरोपित शमशेर उर्फ बबलू और आशा ठाकुर को भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और तीन-तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुधा विजय सिंह भदौरिया ने पैरवी की। करीब सवा दो साल पुराने मामले में यह सजा सुनाई गई है।फरियादी बसंत ने अपनी पत्नी के साथ थाना हबीबगंज भोपाल मे सूचना दी थी कि उनका बेटा शिवदत्ता भालेराव अक्टूबर 2021 मे घर से निकाला था और फिर लौटकर वापस घर नही आया। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। तफ्तीश के दौरान संदेही शमशेर उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे अपनी पत्नी आशा ठाकुर से शिवदत्ता भालेराव (मृतक) से अवैध संबंध होने का शक था। मौका पाकर अपनी पत्नी के साथ मिलकर शिवदत्त को शराब पिलाकर नशे की हालत मे सीने मे चाकू और सिर मे लोहे के कीले से चोट पहुंचाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, शव को एक बंद गली मे नमक डालकर दरी मे लपेट कर ईट-गिट्टी के मलबे से छुपा दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपित की पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया था।

टिकट वितरण में पारदर्शिता के लिए कांग्रेस ने बनाई न्याय व्यवस्था

प्रवीण पाठक को बनाया अध्यक्ष

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव, कांग्रेस टिकट वितरण में पारदर्शी व्यवस्था लागू करेगी। इसके लिए न्याय नाम से प्रणाली विकसित की जा रही है। इसे सबसे पहले ओडिशा में लागू किया जाएगा। इसके लिए ग्वालियर दक्षिण से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक को अध्यक्ष बनाया गया है।अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पाठक के नियुक्ति आदेश जारी किए। पाठक ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टिकट वितरण की पारदर्शी प्रणाली के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसे ओडिशा में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दल

कोई भी हो, जाति और स्थानीय समीकरणों के हिसाब से टिकट देते हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का सोच है कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें कोई भी आवेदन कर सके। गुण-दोष के आधार पर आवेदन पर निर्णय हो। ओडिशा में लोकसभा के साथ ही विधानसभा के भी चुनाव होंगे, इसलिए इस प्रोजेक्ट को सबसे पहले वहां अपनाया जा रहा है।

मानव संग्रहालय में राजभाषा सम्मेलन

शहीद भवन में कथक व नाटक की प्रस्तुति

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 01 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।राजभाषा सम्मेलन - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के शैल कला भवन में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन सुबह 11 बजे से किया जाएगा। इस

कार्यक्रम में साहित्यकार मुकेश वर्मा मुख्य अतिथि होंगे। उद्घाटन सत्र में हिंदी और राजभाषा कितने पास ,कितने दूर विषय पर कीनोट एड्रेस देंगे । चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। कथक व नाटक - शहीद भवन में कथक नृत्य की प्रस्तुति और नाटक का मंचन होगा। सहर्ष कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम शाम साढ़े छह बजे से आरंभ होगा।

जयपुर की चिटफंड कंपनी पर भोपाल में ठगी का केस दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अलग- अलग शहरों में लोगों से नई योजनाओं में निवेश के नाम पर राशि लेकर एक साल में दोगुना करने का झांसा देने वाले प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संचालकों पर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ठगी का केस दर्ज किया है। एसटीएफ की टीम जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी करेगी।स्पेशल टास्क फोर्स के पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि जयपुर राजस्थान से संचालित होने वाली डिग्री मुद्रा कनेक्ट कंपनी के संचालक और उनके कर्मचारी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जाकर लोगों से निवेश पर मोटे मुनाफे का लालच देकर राशि एकत्र कर रहे थे। लेकिन जब तय समय के बाद अपेक्षित रकम नहीं मिली तो मध्य प्रदेश के अनेक

शहरों से निवेश करने वाले लोगों ने अपने रुपये वापस मांगना शुरू किए। इस पर कंपनी के लोगों ने बहाना बनाना शुरू कर दिया। दफ्तर बंद कर भागे आरोपित प्रदेश में लोगों से निवेश के नाम पर करीब एक करोड़ 77 लाख की धोखाधड़ी करने के बाद से आरोपितों ने अपने स्थानीय कार्यालय बंद कर लिए थे। लोग उनकी तलाश में भटक रहे थे। आखिरकार ठगी के शिकार लोगों ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मुख्यालय के माध्यम से प्रकरण जांच में आने के बाद कार्रवाई शुरू की गई। मध्य प्रदेश में पहली बार केंद्रीय चिटफंड कंपनी विरोधी अधिनियम 2019 की धाराओं में यह प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी सुभाष दर्शन कर की एक टीम आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए जयपुर रवाना की गई है।

बीआरटीएस लेन से जालियां हटाने का काम तेज

सीवेज पंप हाउस तक सिंगल डिवाइडर बनेगा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। लोक निर्माण विभाग ने बीआरटीएस लेन से जालियां हटाने का काम तेज कर दिया है। हलालपुर से इसाई कब्रिस्तान तक जालियां निकालने क साथ ही बीच के हिस्से में सिंगल डिवाइडर भी बनाया जा रहा है। जालियां निकालने के बाद सीमेंट के बेस को भी तोड़ दिया गया है। बेस तोड़ने से खराब हुए हिस्से पर डामरीकरण किया जा रहा है।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर राजधानी भोपाल में बीआरटीएस कारिडोर हटाया जा रहा है। लालघाटी से हलालपुर तक तक का हिस्सा पहले ही हटाया जा चुका है। हलालपुर से सीहोर नाके तक लेन हटाने का काम लोक निर्माण विभाग को दिया गया है। विभाग ने जालियां निकालने के साथ इसकी शुरूआत की है। बुधवार को काम तेज कर दिया गया। इसाई कब्रिस्तान तक लेने के दोनों छोर तक की लगभग सभी जालियां निकाल ली गई हैं। सीमेंट बेस उखाड़कर यहां डामर की परत बिछाई जा रही है। सीवेज पंप हाऊस तक सिंगल डिवाइडर बीआरटीएस लेन बनने से पहले लालघाटी से सीहोर नाके तक सिंगल डिवाइडर था। अब फिर से सिंगल डिवाइडर बनाने का प्रस्ताव है। मेन रोड

पर एलिवेटेड ब्रिज बनाने का भी प्रस्ताव है। ब्रिज का एंट्री प्वाइंट टी वार्ड नाके पास स्थित सीवेज पंप हाऊस के पास होगा। इसे देखते हुए फिलहाल हलालपुर से पंप हाऊस तक ही सिंगल डिवाइडर बनाने का प्रस्ताव है। एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण सिंगल पिलर योजना के तहत होगा। पिलर बनने के बाद मेन रोड पर सेफ्टी डिवाइडर बनाने का प्रस्ताव है। बैरागढ़ मेन रोड पर एलिवेटेड ब्रिज बनाने का प्रस्ताव है इसे देखते हुए फिलहाल हलालपुर से सीवेज पंप हाऊस तक बीच के हिस्से में डिवाइडर बनाया जा रहा है। जल्द ही काम पूरा होगा। ब्रिज बनने के बाद मेन रोड पर अलग डिवाइडर बनाने पर विचार होगा।

डंपर में पीछे से भिड़ी बाइक

पहिये में फंसकर दस फीट घिसटा युवक, मौत

सिटी चीफ भोपाल।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के सुभाष नगर स्थित मेट्रो डिपो मोड़ पर कोपरा लेकर जा रहे डंपर से एक बाइक सवार पीछे से आकर जा टकराया। इस हादसे में बाइक सवार के टकराने के बाद भी डंपर रुका नहीं और डंपर के पिछले पहियों के बीच फंसकर बाइक सवार दस फीट तक घिसटता चला गया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन घायल बाइक सवार को बाहर निकालने के बजाय वह उसका वीडियो बनाते रहे। थोड़ी ही देर में युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।जहांगीराबाद टीआइ अजय तिवारी ने बताया कि मूलत: ग्राम हरिपुर शमशाबाद जिला विदिशा निवासी जितेंद्र यादव पिता पहलवान सिंह करोंद में

किराये पर कमरा लेकर रहता था। वह निजी अस्पताल में काम करता था। वह बुधवार को किसी काम से एमपी नगर आया था। घटना के समय वह करोंद जा रहा था। रास्ते में कोपरा से भरा डपंर मेट्रो डिपो में जा रहा था। तभी सुभाष नगर के पास मेट्रो डिपो मोड़ पर पीछे से बाइक सवार जितेंद्र यादव उसमें घुस गया। दोस्त से मांगी थी बाइक मृतक की पहचान उसके मोबाइल नंबर से हुई। पता चला कि जितेंद्र जिस दोस्त की बाइक लेकर आया था, वह उसे फोन लगा रहा था। उससे मृतक की पहचान हो गई। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया। मृतक के स्वजनों को घटना की जानकारी दे दी गई। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है। डंपर को जब्त कर चालक को बाद में हिरासत में ले लिया गया। सूखीसेवनिया में ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत इधर, सूखीसेवनिया में एक बाइक सवार को ट्रक ने आमने- सामने टक्कर मार दी । इसमें बाइक सवार की मौत हो गई। ट्रक की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। सूखीसेवनिया थाने के एएसआइ उमेश यरदव ने बताया कि मूलत: खुरई सागर निवासी धमेंद्र कुशवाह मंडीदीप की एक फैक्ट्री में काम करता था। उसके पिता सरवन सिंह अरेरा कालोनी ई7 में किसी स्थान पर काम करते हैं। वह उनसे मिलने के बाद मंडीदीप जा रहा था। रास्ते में ट्रक ने उसे टक्कर मार दी । पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनो के सुपुर्द कर दिया गया हैं।

मासूम का गला काटने वाला सौतेला पिता बालिका की मां का भी हत्यारा निकला

भोपाल । दो साल पहले मासूम बालिका की मां अचानक लापता हो गई थी। उसकी आंखें हमेशा अपनी मां की झलक पाने को बेचैन सी रहती थी। याद आने पर अक्सर अपने सौतेले पिता से जब मां के बारे में सवाल करती थी, तो वह विचलित हो जाता था। हत्या का खौफनाक राज खुल जाने के भय के कारण उसने आठ वर्ष की सौतेली बेटी को भी ठिकाने लगाने की तैयारी कर ली थी।29 जनवरी की रात को उसने सैफिया कालेज मैदान में ले जाकर जैसे ही बालिका के गले पर चाकू का पहला वार किया, तभी किसी गाड़ी की हेडलाइट की रोशनी पड़ने पर वह भाग निकला था। खून से लथपथ बालिका किसी तरह सड़क पर आ गई थी। सौभाग्य से उसकी जान बच गई। बालकिा ने पुलिस को यह बताया पुलिस ने जब बालिका से पूछताछ की तो उसने बताया कि गला काटते समय पिता ने बोला था, कि तुझे भी तेरी मां के पास पहुंचा देता हूं। पुलिस ने जब दो साल पहले 29 जनवरी को इसी सैफिया कालेज के मैदान में मृत मिली महिला का फोटो बालिका को दिखाया, तो वह मां की तस्वीर देखकर फूट-फूटकर रोने लगी। पुलिस ने हत्या, हत्या के प्रयास के आरोप में बालिका के सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया है। कारण वह जाने के कारण मासूम बालिका उसके बारे में अक्सर अपने सौतेले पिता से पूछा करती थी। सौतेले पिता तेजसिंह को किया गिरफ्तार कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक सोमवार रात को गले में चाकू से गंभीर चोट लगने के कारण हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराई गई आठ वर्ष की बालिका प्रीति से पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ की थी। उसके आधार पर पुलिस ने उसके सौतेले पिता तेजसिंह को हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में तेजसिंह ने आर्थिक तंगी के कारण बेटी की हत्या करने की बात कहकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी। पुलिस ने मां का फोटो दिखाया बुधवार को बालिका की हालत में कुछ और सुधार आया तो उसने पुलिस को अपना बयान दिया। बालिका ने बताया कि उसका सौतेला पिता तेज सिंह उसे मारने की नीयत से सुनसान जगह ले गया था। पिता ने कहा कि तेरी मां को जहां पहुंचाया है वहां तुझे भी पहुंचा दूंगा। बच्ची की मां की हत्या करना स्वीकारा पुलिस ने यह बात पता चलने के बाद आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की जिसके बाद उसने बच्ची की मां की हत्या करना स्वीकार किया है। उधर पुलिस ने जैसे ही बालिका को दो साल पहले मिली अज्ञात महिला के शव की तस्वीर दिखाई गई, तो वह रोने लगी। उसने फोटो देखकर बताया कि यह उसकी मां संगीता उर्फ अनीता निवासी संबलपुर उड़ीसा की तस्वीर है। सौतेले पिता के साथ वह अपनी मां सहित रहती थी, लेकिन एक दिन अचानक उसकी मां संगीता लापता हो गई थी।

संपादकीय

एक और लंबी छलांग

स्पेस ट्रैवेल से लेकर मंगल पर इंसानी बस्ती बसाने जैसे अनोखे आइडिया लाने और उन पर अमल के प्रयास शुरू कर देने के लिए मशहूर इलॉन मस्क ने एक बार फिर सबको चौंकाया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर यह जानकारी दी कि उनकी कंपनी न्यूरालिंक ने पहली बार किसी इंसान के दिमाग में चिप लगाई और शुरुआती संकेतों के मुताबिक यह प्रयोग सफल भी रहा। यह कदम मानव जीवन में साइंस और टेक्नॉलजी की भूमिका के नए दौर की शुरुआत साबित हो सकता है। किन्हें होगा फायदा वैसे, यह काम न्यूरालिंक से पहले दूसरी कंपनियां कर चुकी हैं। ब्लैकरॉक न्यूरोटेक नाम की कंपनी जो इस क्षेत्र में न्यूरालिंक की प्रतिद्वंद्वी है, वह पहले ही कई इंसानों के दिमाग में ऐसी चिप लगा चुकी है। खैर, न्यूरालिंक की यह पहल बड़ी है, लेकिन शुरू में इसका फायदा उन्हीं लोगों को मिलेगा, जो किसी वजह से अपने अंग गंवा चुके हैं या उनके अंग बेकार हो चुके हैं। ऐसे मरीजों के लिए सिर्फ सोचकर फोन, कंप्यूटर या ऐसे अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करने की क्षमता वरदान साबित हो सकती है। दिमागी बीमारियों में उपयोगी थोड़ा आगे की बात करें तो इससे उन लोगों को भी फायदा हो सकता है, जिनके शारीरिक अंग तो दुरुस्त हैं, लेकिन दिमागी बीमारियों की वजह से वे उन्हें ठीक से काम में नहीं ला पाते। उदाहरण के लिए अलजाइमर, पार्किंसन ही नहीं, डिप्रेशन और यहां तक कि अडिक्शन के मामलों में भी यह चिप उपयोगी साबित हो सकती है। यह ध्यान में रखना जरूरी है कि बीमारियों का इलाज इस प्रयोग का सिर्फ एक पहलू है। मस्क ही नहीं, इस प्रयोग पर काम कर रहे अन्य लोगों का भी ध्यान वास्तव में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिए इंसानी दिमाग की क्षमता बढ़ाने पर रहा है। तो आज नहीं तो कल बात उस तरफ जाएगी।यह विचार काफी लुभावना है कि दिमाग में एक चिप के जरिए दुनिया भर की जानकारी डाउनलोड कर इंसान बेतहाशा सूचनाओं को स्टोर करने की क्षमता बढ़ा ले। लेकिन इसमें खतरे भी कम नहीं। बुनियादी बात यह है कि ऐसा कोई चिप छह महीने या साल भर के लिए नहीं बल्कि लंबे समय (10-20 साल या इससे भी ज्यादा) के लिए लगेगा। लेकिन इतने लंबे समय तक दिमाग और चिप के बीच तालमेल बना रहेगा या नहीं, इस बारे में कोई स्टडी अभी नहीं हुई है।दिमाग की सर्जरी काफी नाजुक होती है। इससे जुड़े खतरे तो अपनी जगह हैं ही, यह सवाल भी है कि अगर इस चिप को किसी उपाय से हैक कर लिया गया और उसमें गलत जानकारी फीड कर दी गई तो? बेशक इन सवालों से डर कर विज्ञान की प्रगति को रोकने की कोशिश बेमानी होगी, लेकिन इन सवालों से आंख मूंदकर आगे बढ़ना भी सही नहीं होगा।

आसानी से मिले इंसाफ

सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को यह कहना मायने रखता है कि 'ईज ऑफ जस्टिस हर भारतीय नागरिक का अधिकार है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों को न्याय सहज सुलभ महसूस हो। वह आसानी से मिले। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट दोनों की ही तरफ से हाल के दिनों में ऐसे कई कदम उठाए गए हैं, जो इस लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में मददगार हो सकते हैं। जैसा कि खुद प्रधानमंत्री ने भी जिक्र किया औपनिवेशिक दौर के पुराने पड़ चुके कानूनों की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लाना बड़ा कदम है। हालांकि ये कानून अभी लागू नहीं हुए हैं और इनसे जुड़े कुछ पहलुओं पर पुनर्विचार की जरूरत भी महसूस की जा रही है, लेकिन फिर भी इस कदम की अहमियत को कम करके नहीं आंका जा सकता।सुप्रीम कोर्ट की अगुआई में पिछले कुछ समय से न्यायपालिका में डिजिटाइजेशन पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में ईकोर्ट्स मिशन के तीसरे फेज को भी मंजूरी मिल गई है, जिसमें कोर्ट के रिकॉर्ड्स के डिजिटाइजेशन समेत कई और क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने का इरादा है।इन कदमों की अहमियत को स्वीकार करते हुए भी यह कहना जरूरी है कि 'ईज ऑफ जस्टिस' से जुड़े कुछ अन्य बेहद अहम पहलू हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। सबसे बड़ा मसला है अदालतों में लंबित पड़े मुकदमों का। 2023 में पेंडिंग केसों की संख्या 5 करोड़ को पार कर गई। इनमें 1,69,000 मुकदमे ऐसे हैं, जो 30 साल से भी ज्यादा समय से हाईकोर्टों और जिला कोर्टों में लंबित हैं।सुप्रीम कोर्ट में जजों के खाली पद भरने का काम हुआ है, लेकिन हाईकोर्टों में अभी भी काफी पद खाली पड़े हैं। डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक (1 जनवरी 2024 को) देश के सभी 25 हाईकोर्टों में जजों के कुल 1,114 पद मंजूर हैं, लेकिन इन कोर्टों की मौजूदा वर्किंग स्ट्रेंथ 784 है। यानी हाईकोर्टों में जजों के 330 पद खाली हैं। जुडिशरी और सरकार में रस्साकशी: ऐसे में जजों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट और सरकार के बीच खींचतान की खबरें खास तौर पर परेशान करती हैं। कलीजियम सिस्टम की कमियों पर काफी बात हो चुकी है, इसमें भी दो राय नहीं कि जितनी जल्दी हो सके जजों की नियुक्ति की बेहतर व्यवस्था लाई जानी चाहिए, लेकिन जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक सभी पक्षों का यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि मौजूदा व्यवस्था के सुचारू संचालन में कोई अतिरिक्त अड़चन न डाली जाए। इसके बगैर ईज ऑफ जस्टिस की बातों का व्यवहार में शायद ही कोई मतलब निकले।

रामराज्य के मायने ही हैं सबका साथ और सबका विकास, यही है मोदी सरकार की राह

खुशहाल मुल्क को लेकर आपके जेहन में सबसे पहले क्या आता है? शायद यही कि जिस मुल्क में सब खुश हों, जहां हर जगह सुकून हो, सबका कारोबार सही हो, आपसी सद्भाव हो और सबके लिए आगे बढ़ने का बराबर मौका हो। हिंदुस्तान में जब भी शासन व्यवस्था की बात आती है, तो 'रामराय की बात आती है। हर शासन व्यवस्था को रामराय की कसौटी पर ही कसा जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम सबके हैं। वे शबरी के भी थे, केवट के भी, निषाद के भी, कोल-भील के भी, जंगल में रहने वाले आदिवासियों के भी, वानरों के भी। क्योंकि राम सत्य हैं, राम समदर्शी हैं, राम न्याय हैं, राम सद्भाव हैं, राम एकता हैं, राम सबके लिए हैं, इसलिए राम हमारे भी हैं। राम को किसी एक मजहब के दायरे में समेट कर देखना छोटी सोच है, क्योंकि राम हमें अपने कर्तव्य का बोध कराते हैं। राम इस मुल्क के रोम-रोम में बसे हुए हैं। पूरे हिंदोस्तान को एक साथ लेते हुए और हर मजहब जात के बाशिंदों को आमंत्रित करते हुए वजीर-ए-आजम मोदी ने राम की प्राण प्रतिष्ठा कर इस मुल्क में मजहबी सद्भाव और पैगाम-ए-मोहब्बत की नई मिसाल की है। पूरा हिंदुस्तान इस ऐतिहासिक लम्हे का गवाह बना है। इस मंदिर का इख्तियार किया जाना कितना जरूरी था, यह प्रधानमंत्री मोदी की तपस्या बखूबी बयां कर रही है। महंतों से सलाह कर मुकर्रर किया गया था कि मुख्य यजमान बने नरेंद्र मोदी को तीन दिन का व्रत करना है, परंतु उन्होंने 11 दिन का व्रत रखा। ऐसे तपस्वी का हमारे देश का वजीर-ए-आजम होना पूरे हिंदुस्तान की खुशकिस्मती है। तारीख गवाह रहेगी कि प्रधानमंत्री मोदी के तख्तकाल में आजाद हिंदुस्तान का सबसे बड़ा मजहबी मुद्दा अमन और सद्भाव के साथ सुलझा और सबने इसका जश्न मनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार बनने के बाद से ही हमेशा रामराय के उसूलों के साथ काम किया है। रामराय का मतलब ही है सफ में खड़े आखिरी इंसान तक तख्त की नीतियों का फायदा पहुंचना और प्रधानमंत्री मोदी ने इसे कदम-कदम पर साबित किया है। इसी का नतीजा है कि हिंदुस्तान में पिछले नौ वर्षों में 24.82 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। मोदी जब देश के वजीर-ए-आजम बने, तो मुस्लिम समाज में तमाम आशंकाएं थीं, लेकिन नरेंद्र मोदी ने डेवलपमेंट पर अपना फोकस रखा। घर बना, तो सबके लिए बना; शौचालय बने, तो सबके लिए बने; गैस कनेक्शन पहुंचा, तो सबके घर पहुंचा; बिजली पहुंची तो हर घर पहुंची; जन-धन खाते खुले, तो सबके खुले; किसान सम्मान निधि मिली, तो सब किसानों को मिली। इसमें कहीं भी मजहब के नाम पर किसी समुदाय को अनदेखा नहीं किया गया। विकास में कहीं भी हिंदू-मुसलमान नहीं किया गया। यही तो होता है रामराय। मोदी सरकार की दूसरी मियाद में पांच करोड़ अल्पसंख्यक छात्रों को स्कॉलरशिप दी गई। मदरसों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा गया। हजारों अल्पसंख्यक ड्रॉप-आउट बच्चों को ब्रिज कोर्स कराकर सर्टिफिकेट दिया गया, ताकि उन्हें नौकरी में आसानी हो। 100 से अधिक हुनर हाट आयोजित किए गए। अब तक लगभग 10 लाख से यादा अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को रोजगारपरक कौशल विकास योजनाओं के तहत ट्रेनिंग दी गई। मोदी सरकार ने हज यात्रा पर लगने वाले जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया। भारत दुनिया का ऐसा पहला देश है, जहां हज की सभी प्रक्रियाएं डिजिटल हो चुकी हैं। देश के 22 हवाई अड्डों से अब हज यात्रा हो रही है। वक्फ संपत्तियों का सौ प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ। जो लोग आरोप लगाते हैं कि मोदी केवल हिंदू और हिंदू धर्म को ही आगे बढ़ाते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि उन्होंने कई मस्जिदों का भी दौरा किया है। उन्होंने अजमेर के ख्वाजा गरीब नवाज को चादर भी पेश की। उन्होंने तीन तलाक जैसी कुरीति को हटाकर मुस्लिम बहनों को सम्मान से जीने का मौका दिया। रामराय के मूल में ही सबका साथ और सबका विकास की नीति है, जिसे मोदी सरकार ने हर्फ-ब-हर्फ अपनाया भी है। पिछले लगभग 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रामराज की परिकल्पना को गांधी के दर्शन के अनुसार जमीन पर मुमकिन करके दिखाया है

आकलनः सौर क्रांति की शुरुआत, सूर्योदय योजना ने दिया नया जीवन

आंकड़े गवाह हैं कि भारत को जितने कच्चे तेल की जरूरत है, उसके 86 फीसदी से ज्यादा का वह आयात करता है। दरअसल, भारत की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता का तकरीबन आधा हिस्सा कोयला-आधारित है। ऐसे में, अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि भारत ज्यादा से ज्यादा कोयले का उत्पादन करे, ताकि कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों को ईंधन मिलता रहे। लेकिन इससे होने वाले वायु प्रदूषण का क्या, जो खासकर शहरों के निवासियों के लिए प्राणघातक बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक ऊर्जा की कुल मांग का 25 फीसदी हिस्सा अगले दो दशकों में भारत से होने की उम्मीद है। जाहिर है कि ये आंकड़े सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। भारत के ज्यादातर हिस्सों में साल के तीन सौ दिनों तक धूप रहती है। यही वजह है कि सौर ऊर्जा उत्पादन को 70 गीगावॉट से ज्यादा बढ़ाते हुए भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया में चौथे पायदान पर है और 2030 तक इसका 280 गीगावॉट बिजली पैदा करने लक्ष्य भी है। इसमें कतई संदेह नहीं कि वर्तमान क्षमता और इस लक्ष्य के बीच अंतराल बड़ा है। लेकिन यह भी गौर करने लायक है कि राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान द्वारा मूल्यांकित 748 गीगावॉट क्षमता का फकत दसवां हिस्सा ही फिलहाल उपयोग में लाया जा रहा है। बदलाव की क्रांति के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने होते हैं। भारत में सौर ऊर्जा की कहानी महज मेगावॉट की महत्वाकांक्षाओं में सिमट गई है, जिनमें रूफटॉप सोलर क्रांति खो-सी गई है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद का अनुमान है कि भारत में आवासीय छतों पर सोलर रूफटॉप के जरिये करीब 637 गीगावॉट बिजली पैदा की जा सकती है। जाहिर है कि हम महत्वपूर्ण लक्ष्यों से चूक रहे हैं। 2015 में सरकार ने रूफटॉप सोलर के लिए 2022 तक 40 गीगावॉट का लक्ष्य रखा था। लेकिन 2023 के अंत में कुल ऊर्जा उत्पादन में रूफटॉप सोलर की हिस्सेदारी 11 गीगावॉट से कुछ ही ज्यादा रही और इसका ज्यादातर हिस्सा चार राज्यों तक सीमित रहा। हाल ही में मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना (पीएमएसवाई) की घोषणा की, जिसके तहत एक करोड़ घरों की छत पर सौर प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस घोषणा के बाद उम्मीद है कि इनकी लागत में भी कुछ कमी आएगी। महत्वपूर्ण यह भी है कि इससे एक करोड़ घरों के अनुभव के आधार पर आगे के विस्तार के लिए नीति को संशोधित करने का भी अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत की जनसंख्या करीब 1.4 अरब है। अगर हम हर परिवार में पांच लोगों का औसत लेकर चलें, तो इसका अर्थ होगा कि देश में करीब 28 करोड़ परिवार हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में परिवार सवा तीन लाख गीगावॉट से ज्यादा बिजली खर्च करते हैं। यानी प्रति व्यक्ति औसत खपत 1,255 किलोवॉट/घंटे होगी। स्वाभाविक है कि शहरी परिवारों में बिजली की खपत ज्यादा भी होगी। शहरीकरण की गति, कंप्यूटर/मोबाइल इत्यादि उपकरणों का बढ़ता उपयोग, डिजिटलीकरण इत्यादि को देखते हुए इसमें संदेह नहीं कि बिजली की खपत और मांग, दोनों बढ़ेंगी। भारत की एक-तिहाई आबादी शहरों में रहती है और इनमें 53 शहर ऐसे हैं, जहां दस लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। कस्बों की संख्या चार हजार है। ऊर्जा सुरक्षा की कोई भी पहल मौजूदा और नई इमारतों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की मांग करती है। गौरतलब है कि यूरोप के देशों ने 2028 तक नई और मौजूदा इमारतों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के घटक को अनिवार्य कर दिया है। रियल एस्टेट (विनिमयन और विकास) अधिनियम और नगरपालिका के नियमों के तहत सरकार सभी नए आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना को अनिवार्य कर सकती है। हालांकि रूफटॉप सोलर का विस्तार इस संबंध में बनने वाली नई नीति के स्वरूप पर भी निर्भर करता है। यह न मानने का कोई आधार नहीं है कि लागत व व्यवधान कम करने और प्रदूषण फैलाने वाले जेनरेटर से छुटकारा पाने के लिए लोग प्रभावी व स्वच्छ ऊर्जा का विकल्प चुनना पसंद करेंगे। रूफटॉप सोलर पर दिए जा रहे जोर के पीछे के अर्थशास्त्र को समझने की जरूरत है। निजी स्तर पर देखें तो घरों में, छोटे व्यवसायों को इससे सस्ती बिजली मिलेगी और ब्लैक आउट से मुक्ति मिलेगी। राष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो इससे आयातित ईंधन पर निर्भरता कम होगी और अर्थव्यवस्था की गति को बरकरार रखने में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि तीन किलोवॉट के रूफटॉप संयंत्र का इंस्टालेशन सहित कुल खर्चा करीब तीन लाख रुपये है, जिसमें 40 फीसदी सब्सिडी का भी प्रावधान है। हालांकि ज्यादा क्षमता का संयंत्र चाहने वाली हाउसिंग सोसाइटीज के लिए यह खर्च जरूर बढ़ जाएगा और उन्हें सब्सिडी भी कम मिलती है। नेट मीटरिंग फॉर्मूले को लेकर, जिसके तहत सौर ऊर्जा से प्राप्त अधिशेष बिजली को ग्रिड को लौटा कर, उससे क्रेडिट पाया जा सकता है, विद्युत वितरण कंपनियां पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। शायद इसीलिए, महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग के समक्ष एक सुनवाई में राज्य की बिजली वितरण कंपनी ने तर्क दिया कि छत पर सोलर संयंत्र उपभोक्ताओं द्वारा खुद के उपयोग के लिए लगाया जाता है, इसलिए अधिशेष बिजली के निर्यात को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। इससे भी बुरी बात यह है कि रूफटॉप सोलर के लिए कर्ज पर ब्याज दर दस फीसदी से ज्यादा है। इसके विपरीत यूरोपीय संघ और अमेरिका के निवासियों को इसे लेकर ब्याज दरों में भारी छूट मिलती है। इस संदर्भ में प्रगति के लिए जरूरी है कि प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। रूफटॉप सोलर लगाने के इच्छुक लोग भी हैरान होते हैं कि इसकी प्रक्रिया घर में इन्वर्टर लगाने जितनी आसान क्यों नहीं है? दरअसल, इसे लगवाने की अनुमोदन प्रक्रिया विलंब और भ्रष्टाचार से ग्रस्त है, जिसमें करीब तीन महीने तक का समय लग सकता है। दरअसल, रूफटॉप सोलर संबंधी किसी भी योजना की कामयाबी के लिए जरूरी है कि उसके लिए माहौल तैयार किया जाए। जैसे एलईडी बल्बों का उपयोग बढ़ाने के लिए सब्सिडी का सहारा लिया गया, यूपीआई का विस्तार उद्यमियों द्वारा बनाए गए समाधानों से हुआ इत्यादि। ऊर्जा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के एकीकरण की जरूरत है, लेकिन इसके लिए अनुदानों की व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ पूरी प्रक्रिया को दोष रहित करना और मानसिकता को बदलना भी जरूरी है।

नोएडा के इस मूर्तिकार के भित्ति चित्र अयोध्या में सुनाएंगे भगवान राम की गाथा, बनाने में लगेगा एक साल

पद्म भूषण मूर्तिकार राम सुतार भित्ति चित्रों के माध्यम से भगवान राम की गाथा सुनाएंगे। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की दीवारों पर लगाए जाने वाले भित्ति चित्रों के माध्यम से भगवान राम के जन्म से लेकर लंका विजय के बाद अयोध्या वापसी की कथा उकेरी जाएंगीं। इन्हें सिलसिलेवार ढंग से देखने पर रामायण की पूरी छवि दिखेगी। इसके लिए रामसुतार नोएडा में 100 भित्ति चित्र बनाएंगे। इसमें राम के जन्म से लेकर, माताओं की गोद में खेलने, बाल्यकाल में आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने, विश्वामित्र आश्रम में राक्षसों का वध करने, कैकेयी के वरदान मांगने और राम के वनगमन जैसी कहानियों को कलाकारी से जीवंत किया जाएगा। वनगमन के दौरान सीता हरण, सीता को ढूंढने, बाली और सुग्रीव से मिलने, विभिषण का राम से मिलन, समुद्र पर पुल बनाने, हनुमान के संजीवनी बूटी लाने के दौरान पर्वत उठाने, राम-रावण युद्ध आदि को इन भित्ति चित्रों के माध्यम से दिखाया जाएगा। राम की गाथा कहने वाले 100 भित्ति चित्रों को बनाने में करीब एक साल का वक्त लगेगा। इनमें से प्रत्येक चित्र के फ्रेम का आकार 7.5 फीट लंबा और 5 फुट चौड़ा होगा। सबसे पहले मिट्टी के प्रयोग से चित्र उकेरे जाएंगे। आधार तैयार होने के बाद इसके सांचे को फाइबर में बदला जाएगा। फाइबर में बदलने के बाद इसे मोम के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। फिर कांसे से ढलाई होगी। राम सुतार ने बताया कि इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट से बातचीत चल रही है। जल्द ही इस पर फैसला हो जाएगा। ट्रस्ट की ओर से प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़ी ड्राइंग दी जाएगी। ड्राइंग में राम के जीवन से जुड़ी बातें होंगी। इसी के आधार पर इन भित्ति चित्रों को आकार दिया जाएगा। इससे पहले ट्रस्ट की ओर से रामसुतार को जटायु की मूर्ति बनाने का ऑर्डर मिला था, जिसका अनावरण रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन हो चुका है।

सरस्वती पूजाः वसंत पंचमी पर भूलकर भी न करें ये काम, हो सकता है नुकसान

इस साल 14 फरवरी 2024 को वसंत पंचमी है। वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा करने की परंपरा है। मान्यता है कि इसी दिन मां सरस्वती का जन्म हुआ था। देवी सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणा वादिनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। मां सरस्वती विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी कहलाती हैं। मां सरस्वती की पूजा करने से अज्ञानी में भी ज्ञान का दीप जल उठता है। धार्मिक मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था, इसलिए इस दिन इनकी विधि-विधान से पूजा की जाती है। पूजा-पाठ के साथ ही शास्त्रों में कुछ ऐसे कार्य बताए गए हैं, जिन्हें वसंत पंचमी के दिन नहीं करना चाहिए। चलिए जानते हैं उन कार्यों के बारे में.. वसंत पंचमी के दिन पीले रंग का विशेष महत्व है। यह रंग मां सरस्वती को प्रिय है, इसलिए इस दिन विद्या की देवी को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करें और खुद भी पीले रंग का वस्त्र पहनें। इस दिन काले रंग के वस्त्र पहनने से बचना चाहिए। वसंत पंचमी से वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। ऐसे में इस दिन पौधे लगाने चाहिए। पेड़-पौधों को भूल से भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए और ना ही इन्हें काटना चाहिए। इससे जीवन पर नकारात्मक असर पड़ता है। मां सरस्वती ज्ञान और विद्या की देवी हैं। वसंत पंचमी पर मां सरस्वती का आशीर्वाद पाने के लिए कलम, दवात की पूजा की जाती है। ऐसे में इस दिन पुस्तकों को भूलकर भी नुकसान न पहुंचाएं, ना ही किसी भी पुस्तक या कॉपी को फाड़ें। इससे करियर पर बुरा असर पड़ता है। मां सरस्वती ज्ञान और वाणी की देवी हैं। कहते हैं प्रतिदिन एक समय ऐसा होता है, जब देवी सरस्वती मनुष्य की जिव्हा पर आसीन होती हैं और इस वक्त कहे गए शब्द सच हो जाते हैं, इसलिए वसंत पंचमी के दिन वाणी का संयम रखें। गलती से भी किसी को अपशब्द न कहें। वसंत पंचमी पर गलती से भी तामसिक भोजन या मदिरा का सेवन न करें, नहीं तो पूजा का फल नहीं मिलेगा। इस दिन सात्विक रह कर मां सरस्वती की पूजा करें।

फर्जी कास्टिंग कॉल के खिलाफ, सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी ने जारी किया नोटिस

मुंबई । सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी सलमान खान फिल्म्स की ओर से हाल ही में एक नोटिस जारी किया गया है. उन्होंने फेक कास्टिंग कॉल को लेकर अलर्ट दिया है. इंस्टाग्राम हैंडल पर कंपनी की ओर से पोस्ट शेयर किया गया है जिसमें उन्होंने कंपनी के या सलमान खान के नाम का गलत इस्तेमाल करने पर सख्त एक्शन लेने की बात कही है. बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान किसी ना किसी वजह से लाइमलाइट में बने रहते हैं. ताजा मामला उनके प्रोडक्शन हाउस से जुड़ा हुआ है. दरअसल, हाल ही में सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी 'सलमान खान फिल्म्स' एक चेतावनी जारी की है. उन्होंने फर्जी कास्टिंग कॉल के खिलाफ एक्शन लेने की चेतावनी देते हुए नोटिस दिया है. चलिए जानते हैं क्या है पूरा मामला. हाल ही में सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट के जरिए उन्होंने फेक कास्टिंग कॉल को लेकर अलर्ट दिया है. सोशल मीडिया पर उनकी ओर से लिखा गया है कि वो फिल्मों में कास्टिंग के लिए किसी थर्ड पार्टी से नहीं जुड़े हैं. अगर इस मामले में कोई भी मेल या मेसेज मिलता है तो उसपर भरोसा ना करें. सलमान की प्रोडक्शन कंपनी लेगी सख्त एक्शन आगे उन्होंने कहा कि अगर सलमान खान का नाम किसी गलत तरह से इस्तेमाल किया गया तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा. ये नोटिस पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में ऑफिशियल नोटिस लिखा है. पोस्ट में साफ लिखा गया है कि सलमान खान और उनकी कंपनी किसी फिल्म में कास्टिंग के लिए नहीं सर्च कर रही है. अगर इससे जुड़ा कोई भी मामला आपके पास आता है तो वो फेक है. उन्होंने लोगों को अलर्ट करते हुए कहा कि है ऐसे किसी भी कॉल से दूर रहें.

कब हुई थी सलमान खान फिल्म्स की शुरुआत?- साथ ही, ये भी कहा कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए किसी भी कास्टिंग एजेंट को काम पर नहीं रखा है, कृपया ऐसा न करें. इसके पहले 2023 में भी सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस ने उनके नाम का इस्तेमाल कर फर्जी कास्टिंग कॉल के खिलाफ अलर्ट जारी किया था. सलमान ने 2011 में सलमान खान फिल्म्स की शुरुआत की थी. इस बैनर तले पहली फिल्म 'चिल्लर पार्टी' थी, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी और विकास बहल ने किया था. वहीं, इसके तहत जो भी कमाई होती है उसे सलमान बीइंग ह्यूमन फाउंडेशन को दान करते हैं.

बॉक्स ऑफिस पर नहीं दिखा पाई कमाल, रोजाना घट रही कमाई

नई दिल्ली । ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर को क्रिटिक और ऑडियन्स दोनों ने ही पसंद किया है लेकिन फिर भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है. फिल्म की कमाई रोजाना घटती जा रही है. एक हफ्ते में फिल्म 150 करोड़ के क्लब में भी शामिल नहीं हो पाई है. वीकेंड पर ये कलेक्शन 150 करोड़ का आंकड़ां पार कर जाएगा. फिल्म का सातवें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है जिसमें कुछ खास नया नहीं है. फिल्म का हाल गिरते ही जा रही है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर को सिद्धार्थ

आनंद ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में ऋतिक और दीपिका के साथ अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेरॉय लीड अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. इतनी बड़ी स्टारकास्ट भी फिल्म का कलेक्शन बढ़ा नहीं पा रही है।

सातवें दिन किया इतना कलेक्शन

फाइटर का सातवें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने करीब 6.35 करोड़ का बिजनेस किया है। फाइटर ने पहले दिन 22.5 करोड़, दूसरे दिन 39.5 करोड़, तीसरे दिन 27.5 करोड़, चौथे दिन 29, पांचवें दिन 8 करोड़ और छठे दि 7.5 करोड़ का बिजनेस किया था. जिसके बाद अब टोटल कलेक्शन 140.35 करोड़ हो चुका है. फिल्म इस वीकेंड पर 150 करोड़ के क्लब में आसानी से शामिल हो जाएगी।

रिपब्लिक डे का मिला था फायदा

फाइटर सिनेमाघरों पर 25 जनवरी को रिलीज हुई थी. 26 जनवरी के हॉलीडे का इस फिल्म को बहुत फायदा मिला था. दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में एकदम से उछाल आ गया था. जिसे देखकर हर कोई चौंक गया था. फिल्म ने दूसरे दिन 39 करोड़ का कलेक्शन किया था. रिपब्लिक डे जितना कलेक्शन फाइटर ने अभी तक किसी भी दिन नहीं किया है. इस हफ्ते कोई भी बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है इसका फायदा भी फाइटर को मिलने वाला है।

'बिग बॉस-17' के बाद अंकिता लोखंडे के हाथ लगी बड़ी फिल्म

मुंबई ! टी शो 'बिग बॉस-17' में शीर्ष पांच में स्थान बनाने के बाद अभिनेत्री अंकिता लोखंडे को बाहर कर दिया गया और वे विजेता होने से चूक गईं। 'बिग बॉस' ट्रॉफी की प्रबल दावेदार मानी जा रहीं अंकिता को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। बिग बॉस के बाद तो अंकिता की लॉटरी लग गई है। उन्हें एक बड़ी फिल्म मिली है। जल्द ही वे बॉलीवुड के एक पॉपुलर एक्टर के साथ नजर आएंगी। टी शो 'बिग बॉस-17' के बाद अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा की। हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता रणदीप हुडा के साथ अंकिता 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' फिल्म में काम करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, यह इतिहास के अध्याय में खोए हुए एक नेता पर प्रकाश डालने का एक प्रयास है। बिग बॉस-17 के तुरंत बाद एक नया अध्याय शुरू करना बहुत खास है। मैं ज़ी स्टूडियोज द्वारा निर्मित आनंद पंडित और रणदीप हुडा के साथ इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सभी की आभारी हूं। इसे

22 मार्च 2024 को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखना न भूलें।'अंकिता के प्रशंसक खुश हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' 22 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सबसे खास बात ये है कि फिल्म मुख्य रूप से हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर के बलिदान की अमरगाथा दिखाई जाएगी। इसलिए उनके प्रशंसक भी उत्सुक हैं।

अभिनेत्री अंकिता के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह मणिकर्णिका फिल्म में उन्होंने झलकारीबाई का किरदार निभाया था। बागी-3 में उन्होंने रुचि नाम की लड़की का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके अभिनय की काफी सराहना भी की गई। अंकिता को सीरियल पवित्र रिश्ता से काफी प्रसिद्धि मिली। इसी सीरीज में वह अपने को-स्टार सुशांत सिंह राजपूत के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद अंकिता ने दिसंबर 2021 में बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी कर ली थी।

सुपरस्टार प्रभास ने फिल्मों से ब्रेक लेने पर किया खुलासा

मुंबई ! जब भारत की मौजूदा पीढ़ी के सुपरस्टार्स की बात आती है तो उसमें एक नाम जरूर शामिल होता और वह नाम है प्रभास । साउथ फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करके आज उन्होंने पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। उनकी हर फिल्म का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार करते है। 'बाहुबली-2' की सफलता के छह साल बाद प्रभास ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सालार पार्ट-1' दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रभास ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया है। 'सालार' की सफलता के बाद प्रभास ने इंडस्ट्री से दूर रहने का फैसला किया। अब इसके पीछे वजह का खुलासा किया है। प्रभास ने आराम करने के लिए कुछ समय का ब्रेक लिया है। वह जीवन में कुछ चीजों पर ध्यान देंगे। ब्रेक के बाद प्रभास मार्च में काम फिर से शुरू करेंगे। अब वह सिर्फ एक महीने के ब्रेक पर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रभास एक सर्जरी कराने जा रहे हैं। इसके लिए वह यूरोप जा सकते हैं। क्योंकि वह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में प्रभास की कई फिल्मों का इंतजार है। अभिनेता नाग अश्विन की निर्देशित 'कल्कि 2898 एडी' फिल्म 9 मई, 2024 को रिलीज़ होगी, जिसमें दीपिका पादुकोण, कमल हासन, अमिताभ बच्चन और दिशा पटानी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा प्रभास के पास 'स्पिरिट' और 'द राजासाहब' जैसी फिल्में भी हैं।

रोंगटे खड़े कर देगा 'भक्षक' का दमदार ट्रेलर, सच की खोज में निकलीं भूमि पेडनेकर

नई दिल्ली- नेटफ्लिक्स ने बुधवार को मशहूर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'भक्षक ' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. वहीं, रिलीज के साथ ही ट्रेलर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है. बता दें, यह एक क्राइम ड्रामा फिल्म है और बताया जा रहा है कि यह सच्ची घटनाओं पर अधारित है.

डायेक्टर पुलकित द्वारा निर्देशित फिल्म 'भक्षक' एक खोजी पत्रकार वैशाली सिंह की यात्रा पर आधारित है, जो राजनेताओं की सहायता से एक शक्तिशाली व्यक्ति को बेनकाब करने के मिशन पर निकलती है, क्योंकि वह

एक अनाथालय की लड़कियों का शोषण करता है. निर्माताओं का दावा है कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है.

वैसे, फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसके देखते ही आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. भूमि पेडनेकर ने फिल्म में पत्रकार की भूमिका निभाई है, और इस किरदार में वह काफी फिट भी बैठ रही हैं. फिल्म की कहानी एक अनाथालय पर बेस्ड है, जहां अनाथ लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है और भूमि इसका पर्दाफाश करना चाहती हैं. इसके लिए दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा उनकी मदद करते नजर आते हैं. बता दें, यह फिल्म 9 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है.

आईएएनएस से बातचीत में भूमि ने कहा था कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है. उन्होंने कहा था, 'एक कलाकर के रूप में मेरी शुरुआत के बाद से फरवरी का महीना मेरे लिए सबसे खास रहा है. मेरी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' फरवरी में रिलीज हुई थी और इससे मुझे इतना प्यार, प्रशंसा और सम्मान मिला कि इसने इंडस्ट्री में एक अग्रणी अभिनेत्री के रूप में मेरी स्थिति मजबूत कर दी.'

इन विदेशी शो की कॉपी हैं टीवी के ये चर्चित शो, पूरा फॉर्मेट पश्चिमी देशों से लिया, ये नाम भी शामिल

नई दिल्ली । हाल ही में टीवी का चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' का सीजन 17 खत्म हुआ। मुनव्वर फारूकी)इस सीजन के विजेता चुने गए। 'बिग बॉस' के अलावा टीवी के ऐसे कई रियलिटी शोज हैं, जिन्हें दर्शक खूब पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं, इन भारतीय टीवी शोज का पूरा फॉर्मेट विदेशी टीवी शो से लिया गया है। इनमें 'बिग बॉस' से लेकर 'कौन बनेगा करोड़पति' तक का नाम शामिल है। जी हां, चलिए आपको इनके बारे में बताते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम 'बिग बॉस' का है। जो साल 2006 में छोटे पर्दे पर शुरू हुआ। 'बिग बॉस' ब्रिटेन के पॉपुलर शो 'बिग ब्रदर' की कॉपी है। इसमें भी बिग बॉस की ही तरह एक घर में ढेर सारे कंटेस्टेंट कुछ महीनों तक एक साथ रहते हैं। साल 2007 में शिल्पा शेट्टी 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुईं और सीजन 5 की विजेता भी रही थीं। कलर्स टीवी का चर्चित रियलिटी शो 'खतरों के

खिलाड़ी' भी विदेशी रियलिटी शो का भारतीय रूपांतरण है। यह अमेरिकन टीवी शो 'फियर फैक्टर' से कॉपी हैं। इंडिया में इस रियलिटी शो को सबसे पहले 'फियर फैक्टर इंडिया' के नाम से लाया गया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'खतरों के खिलाड़ी' कर दिया। दर्शकों के बीच यह शो काफी लोकप्रिय है। सोनी चैनल का सबसे लोकप्रिय टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' भी विदेशी शो हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलिनेयर?' का कॉपी है। भारत में एक लंबे समय से मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने होस्ट कर रहे हैं। सोनी चैनल का ही एक और चर्चित शो 'शार्क टैंक इंडिया' भी इस लिस्ट में शामिल है। बीते कुछ समय में ही यह दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहा। 'शार्क टैंक इंडिया' भारत का पहला बिजनेस शो है, जिसने स्टार्टअप्स की दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराया। यह अमेरिकी टीवी शो 'शार्क टैंक' का भारतीय रूपांतरण है।

इंदौर सराफा बाजार सहित रतलाम व उज्जैन में क्या है सोने-चांदी के भाव जाने यहां...

भारत में सोने की मांग 2023 में तीन प्रतिशत गिरकर 747.5 टन रह गई, जो 2020 के बाद से सबसे कम है। बढ़ती कीमतों ने आभूषणों की मांग को कम कर दिया है। यह बात वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में कही। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय सोने की खपत चार प्रतिशत गिरकर 266.2 टन हो गई।आभूषणों की मांग में गिरावट के कारण निवेश के मकसद के लिए सिक्कों और बार की बिक्री अधिक प्रभावित हुई। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में विवाह के कम शुभ दिन होने के कारण मांग कम रहने की संभावना है। सरकार ने आयात को प्रतिबंधित करने के लिए सोने पर ऊंचा कस्टम लगाया है। इस पर बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है जो कच्चे तेल जैसे आवश्यक आयात के लिए ज्यादा जरूरी है।स्विट्जरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात भारत के लिए सोने के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हालांकि वैश्विक आभूषण बाजार रिकार्ड-उच्च कीमतों के बीच उल्लेखनीय रूप से मजबूत साबित हुआ है। मांग साल-दर-साल तीन टन बढ़ गई। चीन ने सोने की मांग में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर भारत में नौ प्रतिशत की कमी की भरपाई करते हुए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2023 में सोने का खनन उत्पादन एक प्रतिशत बढ़कर अपेक्षाकृत स्थिर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिसाइकल में नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो सोने की ऊंची कीमत को देखते हुए उम्मीद से कम थी और कुल आपूर्ति तीन प्रतिशत बढ़ गई। इधर, बढ़ते मध्य पूर्व संकट के बीच सोने ने भू-राजनीतिक तनाव के सामने लचीलापन दिखाया और इंदौर में सुधरकर 63100 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया, वहीं चांदी में मामूली गिरावट देखी गई और यह इंदौर में 200 रुपये घटकर 730000 रुपये प्रति किलो बोली गई क्योंकि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के अपडेट का इंतजार कर रहे थे, खासकर संभावित ब्याज दर में कटौती के समय के बारे में। कॉमेक्स सोना ऊपर में 2038 नीचे में 2032 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.20 नीचे में 23.00 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया।सोना केडबरी रवा नकद में 64100 सोना (आरटीजीएस) 64260 सोना (91.60 कैरेट) 58860 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। मंगलवार को सोना 64050 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 73000 चांदी टंच 73150 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 72850 रुपये प्रति किलो बोली गई। मंगलवार को चांदी 73200 रुपये पर बंद हुई थी।उज्जैन सराफा में सोना स्टैंडर्ड 64200, सोना रवा 64100, चांदी पाट 73300, चांदी टंच 73200, सिक्का 800 रुपये प्रति नग।रतलाम सराफा में चांदी चौरसा 73350, टंच 73450, सोना स्टैंडर्ड 64350, रवा 64300 रुपये। (आरटीजीएस भाव)।

बजट पेश होने से पहले बड़ा झटका, एलपीजी सिलेंडर हो गया महंगा, चेक करें नए रेट

नई दिल्ली । आज संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी. इससे पहले ही देश में महंगाई का झटका लगा है, दरअसल, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा हो गया है. IOCL की वेबसाइट के मुताबिक, इसकी कीमतों में 14 रुपये का इजाफा किया गया है, जिसके बाद राजधानी दिल्ली में एक कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 1769.50 रुपये हो गई है. बदलाव के नई दरें आज 1 फरवरी 2024 से लागू हो गई हैं.

19 किलोग्राम वाला सिलेंडर हुआ महंगा ताजा बदलाव के बाद जहां दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दा 1755.50 रुपये से बढ़कर 1769.50 रुपये कर दिया गया है. वहीं अन्य महानगरों की बात करें तो कोलकाता में एक सिलेंडर 1869.00 रुपये से बढ़कर 1887 रुपये का कर दिया गया है. मुंबई में पहले जो कॉमर्शियल सिलेंडर 1708 रुपये का मिल रहा था, वो अब 1723 रुपये का मिलेगा. वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1924.50 रुपये से बढ़कर 1937 रुपये हो गई है.

पिछले महीने मिली थी मामूली राहत: बीते 1 जनवरी 2024 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम में मामूली राहत दी गई थी. ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की थी. जिसके बाद दिल्ली से मुंबई तक पहली कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1.50 रुपये से लेकर 4.50 रुपये तक सस्ता हो गया था. बीते महीने की गई कटौती के बाद दिल्ली में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 1755.50 रुपये का और मुंबई में दाम 1708 रुपये का कर दिया गया था.

घरेलू सिलेंडर के दाम में बदलाव नहीं : कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में जहां बढ़ोतरी दी गई है, तो वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम स्थिर बने हुए हैं. दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 903 रुपये, कोलकाता में 929 रुपये, मुंबई में 902.50 रुपये और चेन्नई में 918.50 रुपये का मिल रहा है. घरेलू गैस सिलेंडर के दाम लंबे समय से स्थिर बने हुए हैं.

सुबह 11 बजे पेश होगा अंतरिम बजट

गौरतलब है कि आज संसद में सुबह 11 बजे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने कार्यकाल का छठा बजट पेश करेंगी. ये मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी बजट होगा, जो अंतरिम है. दरअसल, इस साल लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और पूर्ण बजट चुनाव के बाद गठित होने वाली नई सरकार करेगी.

उच्च कीमतों के कारण तीन फीसदी घटी देश में सोने की मांग

***नई दिल्ली ।** ऊंची कीमतों के कारण 2023 में देश में सोने की मांग तीन फीसदी घटकर 747.5 टन रही है। 2022 में यह 774.1 टन रही थी। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के मुताबिक, अगर कीमतें ज्यादा अस्थिर नहीं होती हैं तो आगे मांग बढ़कर 800-900 टन तक पहुंच सकती है। वैश्विक मांग पांच फीसदी घटकर 4,448.4 टन रही है। काउंसिल ने कहा, बढ़ती कीमतों से मांग काफी प्रभावित हुई है। अक्तूबर में नवरात्रि के दौरान कीमतों में सुधार से ग्राहकों की मजबूत मांग रही, जिससे नवंबर में दिवाली की बिक्री में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, दिसंबर में फिर से मांग 9 फीसदी तक घट गई। 2023 में सोने की कीमत अस्थिर रही। अगर कीमतें ज्यादा अस्थिर नहीं रहीं तो इस साल मांग में तेजी आ सकती है। जूलरी मांग 6 फीसदी गिरी 2023 में जूलरी की मांग छह फीसदी गिरकर 562.3 टन रही है। सोने में कुल निवेश सात फीसदी बढ़कर 185.2 टन रहा है। छड़ और सिक्के में निवेश सात फीसदी बढ़कर 185 टन रहा है। सोने का शुद्ध आयात 20 फीसदी बढ़कर 780.7 टन रहा है।*

राष्ट्रीय प्रमाणन बोर्ड करने जा रहा जीएपीसी-4 का चौथा सुधार, बीटेक छात्रों को आसानी से मिलेगा रोजगार

दुनियाभर में इंजीनियरिंग क्षेत्र में आ रहे बदलावों, पर्यावरण परिवर्तन और बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए भारत भी अपने छात्रों को तैयार करेगा। इसके लिए राष्ट्रीय प्रमाणन बोर्ड (एनबीए) वाशिंगटन करार के तहत ग्रेजुएट एट्रीब्यूट्स एंड प्रोफशनल कंपीटेंसी (जीएपीसी-4) का चौथा सुधार करने जा रहा है। इसके तहत बीटेक करने के बाद कितने छात्रों को रोजगार मिला, इंडस्ट्री उनके क्षमताओं से खुश है या नहीं जैसे पहलुओं का मूल्यांकन होगा। इंडस्ट्री से मिली प्रतिक्रिया पर सभी आईआईटी और एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेजों के पाठ्यक्रम, पढ़ाने के तरीके, परीक्षा, प्रशिक्षण में बदलाव किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि चौथे चरणों के सुधारों के तहत इंजीनियरिंग क्षेत्र के 12 गुणवत्ता मानक हैं। इनमें इंजीनियरिंग फाउंडेशन, आईटी प्रिंसिपल, प्रॉब्लम एनालिसिस, यूज ऑफ इंजीनियरिंग टूल्स जैसे आईटी सॉफ्टवेयर व चिप डिजाइन, वेल्यू एजूकेशन, सस्टेनेबिलिटी और इंजीनियर इन सोसाइटी (यानी इंजीनियर समाज की बेहतरी के लिए किस प्रकार तकनीक से मदद करें) विषय शामिल हैं। हम इन्हीं पर जोर दे रहे हैं।

वाशिंगटन करार में भारत समेत 23 देश

वाशिंगटन करार के तहत भारत को परमानेंट सिग्नेटरी स्टेटस का दर्जा प्राप्त है। इसमें भारत समेत 23 सदस्य देश हैं। इन देशों के बीच स्नातक इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य है। समझौता के तहत ये देश भारत के एनबीए एक्रीडिटेशन कोर्स को भी सामान स्तर पर मान्यता देते हैं। इसके कारण एनबीए एक्रीडिटेशन इंजीनियरिंग कोर्स वाले पासआउट छात्रों को वहां नौकरी और उच्च शिक्षा में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आती है।

प्रमुख बदलाव और असर

बीटेक करने के बाद कितने फीसदी छात्रों को कहां रोजगार मिला, इंडस्ट्री उनके काम से खुश है या नहीं, इंडस्ट्री को उनके तकनीकी ज्ञान से फायदा हो रहा या नहीं, इंडस्ट्री समय के अनुसार क्या बदलाव चाहती है, का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए कॉलेजों से पूर्व छात्रों की जानकारी जुटाकर, कार्यस्थली वाली इंडस्ट्री में जाकर फीडबैक लिया जाएगा।दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में शुमार 23 आईआईटी के कोर्स को भी अभी एनबीए की मान्यता प्राप्त नहीं है। इसलिए वाशिंगटन एकॉर्ड के सदस्य देश अक्सर आईआईटी स्नातकों की नौकरी पर सवाल उठा देते हैं।

अभी सिर्फ 15 फीसदी के पास मान्यता

अभी एआईसीटीई के सिर्फ 15 फीसदी इंजीनियरिंग कॉलेजों के कोर्स एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे 100 फीसदी हासिल करना है। इस साल एआईसीटीई ने कॉलेजों को थोड़ी राहत दी है, लेकिन आने वाले समय में जिनके कोर्स एनबीए से मान्यता प्राप्त नहीं होंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मान्यता का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानक बढ़ेगा। तकनीकी कॉलेज पाठ्यक्रम में नई तकनीक, परीक्षा पद्धति में बदलाव कर रहे हैं या नहीं की जानकारी मिलेगी। इंडस्ट्री की मांग के अनुसार बदलाव पर फोकस किया या नहीं, इंडस्ट्री उनको प्रतिक्रिया दे रही है या नहीं का मूल्यांकन होगा। पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी, इकोलॉजी में आ रहे बदलावों पर छात्रों को जागरूक किया जाएगा।

आंचलिक

गुड शेफर्ड स्कूल में धर्मांतरण से जुड़ें मुद्दों को लेकर विवाद लगातार जारी

दमोह, पथरिया जिले के विकासखंड पथरिया के वार्ड क्रमांक 7 में संचालित हो रहे गुड शेफर्ड स्कूल में धर्मांतरण से जुड़े मुद्दों को लेकर विवाद लगातार जारी है मंगलवार को यहां पर बीआरसी जे के जैन गुड शेफर्ड स्कूल में जांच करने पहुंचे। जहां पर सभी अभिभावकों को भी बुलाया गया और सभी से स्कूल में चल रही गतिविधियों से संबंधित जानकारी प्राथमिकता से ली गई। बता दें कि किरन भारती का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन के द्वारा चर्च में जाने एवं बच्चों को ले जाने के लिए दवा बनाया जाता है और ऐसा नहीं करने पर उनके द्वारा मानसिक प्रताड़ित किया जाता है एवं तरह-तरह की धमकी आदि जाती हैं इसके संबंध में वह पहले भी उच्च अधिकारियों को शिकायत कर चुकी हैं। रवि किसन जोकि गोट शेफर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल पथरिया में कई वर्षों तक प्राचार्य के रूप में पदस्थ रहे, लेकिन बगत 2 साल पूर्व स्कूल दोबारा धन परिवर्तन का दबाव बनाया तब उन्होंने शिकायत दर्ज कराई और एसडीएम को लिखित आवेदन मे आरोप है कि उन्हें और उनकी पत्नी को नौकरी मिलने के बाद उनके बच्चों को स्कूल में फ्री शिक्षा देने और उनका प्रमोशन करने साथ ही उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया कराने के एवज में उन्हें धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। और शिकायतों के बाद से ही स्कूल के प्राचार्य और मैनेजर यहां से गायब हैं इसके बाद वह कभी स्कूल नहीं आए जिनके स्थान पर शोभारानी इक्का प्रभारी प्राचार्य का काम देख रहीं हैं।बता दे की गुड सेफर्ड स्कूल में धर्मांतरण एवं अन्य विषयों को लेकर शिक्षकों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। जो आए दिन झगड़े का रुप ले लेता है जिससे यहां की शिक्षा व्यवस्था चौपट हो रही है और अभिभावक भी नाराज हैं क्योंकि परीक्षाएं सर पर हैं और पढ़ाई के वजाय यहां पर शिक्षकों का विवाद है कि थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब यहां पर हुई उक्त जांच के बाद देखना होगा कि इस पूरे मामले में क्या कार्यवाही की जाती है। विद्यालय में विगत कई महीनो से ना प्रचार है ना संचालक है यह संस्था हैदराबाद से संचालित होती है, वर्तमान में मुख्य स्टाफ के रूप में झारखंड शिक्षिकाएं हैं जो वर्तमान में विद्यालय को संचालित कर रही हैं और विद्यालय की सभी जवाबदारियां अपने कंधों पर उठा रही हैं, शोभा रानी इक्का ने मीडिया के सामने यह माना कि विगत साल पहले स्कूल में कुछ ऐसी पुस्तक आई थी जो आज भी स्कूल प्रबंधन के पास रखी हुई है उनका इस्तेमाल नहीं किया गया लेकिन जब मीडिया वालों ने उनसे पूछा कि क्या आप पुस्तक दिखा सकती हैं तो उन्होंने आज फिर से आनाकानी की और यस टीम में आए हुए सदस्यों ने अभी पुस्तक में जांच की मांग की तब जाकर उन्होंने पुस्तकों को दिखाया जिसमें कुछ ऐसी पुस्तक मिली जिसमें क्रिश्चियन धर्म का जिक्र था वह पुस्तक भी अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा जन शिक्षक तिवारी जी को दी गई जांच के लिए, बीते दिन सोमवार को जन शिक्षक तिवारी गुड शेफर्ड विद्यालय पहुंची थी जहां पर उन्हें जांच पड़ताल के दौरान चार पुस्तक जप्त की थी और पंचनामा बनाया था लेकिन लेकिन जब आज अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार की टीम और मीडिया शोभा रानी इक्का से बोला गया कि आप वह कमरा भी खोली जहां पर वह पुस्तक रखी हुई है जो आप दिखने में आना का नहीं कर रही हैं एवं जांच टीम में भी यह दावा बनाया जब जाकर वह रूम खोला गया जहां पर देखा गया की भारी मात्रा में ऐसी पुस्तक रखी थी, उनमें से एक पुस्तक और जन शिक्षक को सौंप गई जो उन्हें जप्त स्वरूप जांच के लिए ली, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन दमोह की टीम भी जांच टीम फैमिली एवं वह उपस्थित बालको से भी बातचीत की गई जिला अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने बताया कि यह मामला अगर धर्मांतरण से जुड़ा है तो इसकी निष्पक्ष जांच अवश्य होगी और यदि शिकायत झूठी पाई जाती है तो शिकायतकर्ता के ऊपर भी कार्यवाही की जाएगी और जांच टीम से भी अनुरोध किया गया कि वह निष्पक्ष जांच करें और जो दोषी है उसे पर उचित कार्रवाई की मांग संगठन द्वारा रखी गई रखी गई, वहीं इस संबंध में बीआरसी जे.के.जैन ने कहा कि यह पूरा मामला शिक्षकों के बीच आपसी विवाद का समझ में आ रहा है इनमें आपसी तालमेल की कमी नजर आ रही है जिस वजह से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, कल जन शिक्षक बृजेश तिवारी के द्वारा विवादित पुस्तक सील बंद कर जप्त की गई है जो जिला अधिकारी के समक्ष भेजीं जाएगी। जब बीआरसी से धर्म परिवर्तन से जुड़े 2 साल पुराने विवाद के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि में पिछले 22 नवंबर को ही पथरिया बीआरसी पद पर पदस्थ हुआ हूं उसके संबंध में मुझे जानकारी नहीं है। तो वही स्कूल से जुड़े आवश्यक मापदंडों को लेकर उन्होंने कहा कि विद्यालय की मान्यता 3 वर्ष की रहती है, और मान्यता मेरे आने की पूर्व ही जारी हो गई थी, अभी वर्तमान में कुछ बिंदुओं पर कमी है, जिसमें मान्यता रेवेन्यू के लिए जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी संज्ञान लेंगे। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार जिला दमोह से जिला अध्यक्ष मुकेश तिवारी, नगर संयोजक कुंज बिहारी असाटी, ,मनोज पटेल और सुनील पांडे, पत्रकार खेलन पटेल की उपस्थिति रही,

माता-पिता के कनपटी पर लगाया कट्टा, उनके सामने ही 15 वर्षीय बालिका के साथ की हैवानियत

ग्वालियर जिले के भंवरपुरा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 15 साल की बालिका के साथ तीन लोगों ने उसके माता-पिता के सामने ही दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान बदमाशों ने कट्टे की नोक पर माता-पिता को बंधक बनाया। साथ में उसके भाइयों और माता-पिता के साथ मारपीट भी की एवं बालिका के साथ बारी-बारी से गलत काम किया। पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल सभी आरोपी अज्ञात बताए जा रहे हैं।परिजनों का कहना है कि अगर आरोपी सामने आएंगे तो वह उन्हें पहचान लेंगे। जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के रहने वाले यह परिवार कुछ दिन पहले ही भंवरपुर थाना क्षेत्र में रहने के लिए आया है। बलिका अपने भाई के साथ बाथरूम के लिए गई थी तभी तीन लोगों ने उन्हें घेर लिया और बच्चों का शोर सुनके जब परिजन बाहर आए तो दिखा दो लोग बालिका को पकड़े हुए थे और एक व्यक्ति उनके बेटे की गर्दन पड़े हुए था, जिन्होंने माता-पिता के साथ भी मारपीट की और कट्टे की नोक पर पहले दो लोगों ने बालिका के साथ दुष्कर्म किया। तीसरा जब वारदात के लिए कमरे में घुसा गया तभी आसपास के लोग भी घटना स्थल के लिए दौड़े। जिनकी आवाज सुनकर आरोपी कट्टा लहराते हुए मौके से फरार हो गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा ने बताया कि मामला बेहद संवेदनशील था। हम आरोपियों के बेहद नजदीक हैं जल्दी ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। इस मामले को लेकर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

अमरवाड़ा के खिरेटी गैस गोदाम को चोरों ने बनाया निशाना, निकाल ले गए 127 सिलेंडर, जांच में जुटी पुलिस

अमरवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम खिरेटी में इंडेन गैस गोदाम में चोरों हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देते हुए चोर 127 सिलेंडर चोरी कर ले गए। मामले की शिकायत अमरवाड़ा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पारस चंद जैन का ये गोदाम है। गोदाम में कुल 165 सिलेंडर रखे हुए थे। बीती रात चोरों ने यहां से 124 सिलेंडर चोरी कर लिए। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद चोरों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि गांव के बाहर बनाए गए इस गोदाम में चोरी की वारदात की जानकारी उस वक्त लगी जब सुबह गोदाम की कर्मचारी यहां पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस बताया जा रहा है कि पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल में लगी हुई है। बताया जा रहा है कि इस वारदात को कोई देखे परखे आदमी ने ही अंजाम दिया है। फिलहाल सारे मामले को लेकर हड़कंप मचा हुआ है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष ने सड़क का किया भूमि पूजन

नगर परिषद अमानगंज के उपाध्यक्ष सौरभ दुबे ने आज बहुप्रशिक्षित अधूरी सीसी रोड का आज भूमि पूजन किया बता दें कि गुड्डू दुबे के घर से लेकर विष्णु दुबे के घर तक रोड अनुमानित लागत 5 लाख बताई गई, इस रोड को बनाए जाने की लंबी समय से मांग थी रोड स्वीकृत एवं भूमि पूजन होने से वार्ड वासियों में खुशी की लहर है. आइये हम सुनाते क्या कहा नगर परिषद उपाध्यक्ष सौरभ दुबे ने..

खाद्य सुरक्षा संभागीय फ्लाइंग स्कॉट टीम द्वारा मक्सी में की गई कार्रवाई

नमूने लिए गए एवं नोटिस जारी

शाजापुर, आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार उज्जैन संभाग की संभागीय उड़नदस्ता टीम द्वारा मक्सी स्थित खाद्य फर्मों के आकस्मिक निरीक्षण किए गए। इस दौरान इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी स्थित फर्म पालीवाल एंड संस का निरीक्षण कर मौके पर विक्रय के लिए निर्मित एवं भंडार खाद्य पदार्थ घी, पशुधन प्रीमियम घी एवं मिक्स मिल्क के नमूना जांच के लिए लिया गया। इसी प्रकार झंडा चौक मक्सी स्थित नाकोड़ा दूध भंडार से मिक्स मिल्क एवं पनीर के नमूना जांच के लिए लिया। उक्त नमूनो को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ईदगाह हिल्स भोपाल भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी। खाद्य अनुज्ञप्ति शर्तों का पालन नहीं करने पर उक्त दोनों फर्मों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत

सुधार सूचना पत्र जारी किए गए। संभागीय उड़नदस्ता टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेंद्र ठाकुर, श्री बसंत दत्त शर्मा एवं राजू सोलंकी, सुश्री दीपा टटवाड़े की टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक 01 फरवरी को

शाजापुर, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक 01 फरवरी 2024 को सायं 04 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई हैं। बैठक में पूर्व की बैठक 16 सितम्बर 2023 के पालन प्रतिवेदन, रोगी कल्याण समिति की आय-व्यय का अनुमोदन (01 सितम्बर 2023 से 31 जनवरी 2024), रोगी कल्याण समिति की आय बढ़ाने, दुकान किराया वसूली, जिला चिकित्सालय में पेयजल के लिए दो आरओ मशीन एवं दो बड़े वॉटर कुलर लगवाने, शासकीय जिला चिकित्सालय के लिये केंटिन स्थान का चयन एवं जिला चिकित्सालय में लघु मरम्मत कार्यो की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।

कहार महासंघ ने किया वैवाहिक परिचय सम्मेलन व पत्रिका विमोचन कार्यक्रम संपन्न

विदिशा, बीते दिवस दिन रविवार को राष्ट्रीय सामाजिक संगठन कहार महासंघ द्वारा विदिशा में सामाजिक कार्यक्रम वैवाहिक परिचय सम्मेलन व पत्रिका विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशंभर प्रसाद निषाद (पूर्व राज्य सभा सांसद उत्तर प्रदेश) , विशिष्ट अतिथि कहार महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव अजय रैकवार,राष्ट्रीय सचिव नीरज रैकवार,श्री मति रजनी सिंह कश्यप प्रदेश अध्यक्ष कहार महासंघ महिला विंग, जयकिशन मांझी भारतीय मछुआ महासंघ प्रदेश अध्यक्ष, बरिष्ठ समाजसेवी उमाशंकर रैकवार फिशरमैन कांग्रेस उपाध्यक्ष,राजकुमारी रैकवार अखिल भारतीय कहार महासभा प्रदेश अध्यक्ष,दीपाली रैकवार भारतीय मछुआरा महासंघ प्रदेश अध्यक्ष ,राजकुमारी केवट विधानसभा प्रत्याशी, सीमा केवट विधानसभा प्रत्याशी कोतमा की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीतिरिवाज से दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान निषाद राज गुहा,संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर, समाज की गौरव आयरन लेडी फूलन देवी की प्रतिमा पर रोरी तिलक माला पहनाकर किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष व कहार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रामगोपाल रैकवार एवं संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत फूल मालाओं से किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) ने पत्रिका प्रेरणा का विमोचन किया, जिसमें कहार महासंघ के द्वारा समाज सेवा में किये गए कार्यों व युवक युवतियों के वायोडाटा व समाज सेवियों के विचार उद्देलित किये गए हैं। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में समाज के सभी दूर दूर से आए सामाजिक बंधुओ ने बढ़चढ़ कर परिचय सम्मेलन में भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. प्रकाश कहार द्वारा स्थापित कहार महासंघ एक राष्ट्रीय संगठन है जिसका उद्देश्य समाज की 42 उपजातियों को संगठित कर उनमें रोटी-बेटी का संबंध स्थापित करना है। समाज में फैलीं कुरीतियों को दूर कर शिक्षित व सभ्य समाज स्थापित करना है जिससे नव भारत निर्माण में समाज का योगदान हो। कार्यक्रम के आयोजक कमल रैकवार व उनकी टीम द्वारा विदिशा की अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों सहित स्थानीय सामाजिक बंधुओं का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम में महिलाओं ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यह साबित किया कि अब यह समाज पिछड़ा नहीं रहेगा क्योंकि कहा गया है कि जिस घर की महिलाएँ शिक्षित व जागरूक होती हैं वह परिवार हमेशा आगे बढता है। उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खुले कंठ से कहार महासंघ की कार्यप्रणाली की तारीफ की। कहार महासंघ प्रदेश मीडिया प्रभारी नीरज रैकवार ने जानकारी देते हुए बताया कि परिचय सम्मेलन के माध्यम से युवक युवतियों के विवाह में आ रहीं समस्यायों एवं माझी आरक्षण पर भी विचार विमर्श हुआ। लगभग 45 वायोडाटा युवक युवतियों के प्राप्त हुए जिनका मंच के माध्यम से परिचय भी कराया गया। साथ ही उपस्थित जन समूह ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों सहित प्रदेश महासचिव ब्रज लाल रैकवार ,प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण रैकवार, पुरषोत्तम कहार उज्जैन,संगठन मंत्री संतोष बर्मन,प्रदेश महासचिव तपिशा पूजा अमझरे बैतूल, जयराम बाबा जी, एन.पी.मांझी , राकेश वर्मा ,राकेश ढोले ,संगठन मंत्री राम किशन रैकवार रायसेन,प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश वर्मा रीवा , राम खिलावन सोंधिया रीवा,शंकर लाल कहार मंदसौर, दिनेश कहार, लक्ष्मण कहार, जयराम बाबा जी छतरपुर,मोहन लाल कहार, कमल रैकवार,बाबू वंबईया, राजेश वर्मन अमानगंज, लक्ष्मण रैकवार, डॉ गोविंद रैकवार गुनौर,प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मति मेघा रैकवार,श्री मति माया रैकवार संभाग अध्यक्ष जबलपुर, पूनम रैकवार,शोभा रैकवार, श्रीमति सोनिया सोंधिया, श्रीमति रानी कश्यप, श्रीमति रेखा कहार, श्रीमति रानी वर्मा,श्रीमति सुनीता कहार एवं भारी संख्या में सामाजिक बंधु, माताएँ बहिनें बच्चे उपस्थित रहे। बृजेश राजगिरे व दीपक वेवरिया ने सफल मंच संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश अध्यक्ष रामगोपाल रैकवार ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

हायर सेकण्डरी का परीक्षा कार्यक्रम जारी

परीक्षाएं प्रातः 9 बजे से 12 बजे के मध्य संपन्न की जाएंगी

दमोह, हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा नियमित/स्वाध्यायी परीक्षा कार्यक्रम परीक्षा वर्ष 2024 जारी किया जा चुका है। परीक्षा प्रातः 9 से 12 तक आयोजित होगी। इनमें परीक्षा 06 फरवरी दिन मंगलवार को हिंदी विषय, गुरूवार 8 फरवरी को अंग्रेजी, शनिवार 10 फरवरी को ड्राइंग एण्ड डिजाइनिंग, सोमवार 12 फरवरी को फिजिक्स, अर्थशास्त्र, एनिमल हस्बेण्ड्री मिल्कट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एण्ड फिसरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, मंगलवार 13 फरवरी को मनोविज्ञान, गुरूवार 15 फरवरी को बायोटेक्नालॉजी, गायन वादन, तबला पखावज, शुक्रवार 16 फरवरी को बायलॉजी, शनिवार 17 फरवरी को इन्फॉरमेटिक प्रेक्टिसेस, मंगलवार 20 फरवरी को संस्कृत, बुधवार 21 फरवरी को केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली.आफ.साईंस एण्ड मेथेमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एण्ड पेटिंग, गृह प्रबन्ध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान का पेपर होगा।

इसी प्रकार शुक्रवार 23 फरवरी को समाज शास्त्र, मंगलवार 27 फरवरी को मेथमेटिक्स, बुधवार 28 फरवरी को एन.एस.क्यू.एफ. (नेशनल स्कील्स क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क) के समस्त विषय, शारीरिक शिक्षा, गुरूवार 29 फरवरी को राजनीति शास्त्र, शनिवार 02 मार्च को भूगोल, क्रॉप प्रोडेक्शन एण्ड हर्टिकल्चर, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य, सोमवार 04 मार्च को कृषि (मानविकी) होम साइंस (कला समूह), बुक-कीपिंग एण्ड एकांउटेन्सी एवं मंगलवार 05 मार्च 2024 को उर्दू एवं मराठी का पेपर होगा।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

परीक्षार्थियों के लिए निर्देशों में कहा गया हैं, समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्षा में प्रातः 08 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सर्व संबंधित इस कार्यक्रम को कृपया भली-भांति नोट कर लें कि परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता हैं, तो भी परीक्षाएं यथावत कार्यक्रम अनुसार संपन्न की जाएगी।

नियमित परीक्षार्थियों को प्रायोगिक परीक्षाएं उनके विद्यालय में 05 मार्च से 20 मार्च 2024 एवं स्वाध्यायी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं उन्हें आवंटित परीक्षा केंद्र पर 06 फरवरी से 05 मार्च 2024 के मध्य संचालित की जाएगी। इनकी तिथियां तथा समय ज्ञात करने के लिए प्राचार्य/केंद्र अध्यक्ष से संपर्क स्थापित किया जाये। आवश्यकता पड़ने पर प्रायोगिक परीक्षायें अवकाश के दिनों में भी आयोजित की जा सकेंगी। परीक्षा केंद्र पर समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रातः 8:30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8:45 बजे के पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 मिनट के (प्रातः 8:50 बजे से) पूर्व छात्रों को उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट के (प्रातः 8:55 बजे से) पूर्व प्रश्न पत्र दिए जायेंगे। मंडल आवश्यकता होने पर तिथि एवं समय में कभी भी बिना पूर्व सूचना के परिवर्तन कर सकता है, किंतु संचार माध्यमों से संसूचित करेगा। हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी के नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के प्रायोगिक विषयों को छोड़कर समस्त विषय के प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा, एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिए 80 अंकों के प्राप्तांक का 100 प्रतिशत अधिभार देकर अंकसूची प्रदान की जयेगी।

शिक्षक के अथक प्रयास से बच्चे कर रहे विद्यालय और ग्राम का नाम रोशन

दमोह, दमोह जिले के पथरिया ब्लॉक में शास. माध्य.शाला, सतौआ जनशिक्षा केंद्र - कुमेरिया में पदस्थ मोहन सिंह जो कि विद्यालय में पूर्ण समर्पण और लगन से कढ़ी मेहनत करते हैं । जिनकी मेहनत से वरिष्ठ अधिकारी भी प्रसन्न हैं और ग्राम के लोग भी उनकी तारीफ करते हैं । हर वर्ष ये अपने विद्यालय के लिए किसी न किसी रूप से सुर्खियों में छाए रहते हैं अभी वर्तमान सतौआ से संभाग स्तर उत्कृष्ट विद्यालय सागर से इंस्पायर अवार्ड में एक बच्ची 9 जनवरी 2024 सम्मानित हुई। और अभी 29 जनवरी 2024 को राजनीतिक टापिक पर ईवीएम मशीन का माडल तैयार कर कक्षा 8 की छात्रा इच्छा तिवारी ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर पुनः अपने विद्यालय और मार्गदर्शी शिक्षक मोहन सिंह जी का नाम रोशन किया। पथरिया बीआरसी सर जिनेंद्र जैन ने बताया की मोहन सिंह बहुत ही लगन शील और कर्तव्य निष्ट शिक्षक हैं ही साथ ही एक अच्छे मास्टर ट्रेनर भी हैं ये ब्लाक स्तर पर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षक

व्यवसायिक उन्नयन का प्रशिक्षण भी दो चरणों में प्रदान कर रहे हैं। इनके विद्यालय का मेरे द्वारा समय समय पर निरीक्षण किया जाता है जो इनके कार्यों की सराहना करना तो बनता ही है । हमारे ब्लॉक के सभी शिक्षक भी सतौआ विद्यालय के शिक्षक से प्रेरित होते हैं। गणतंत्र दिवस पर भी शिक्षक मोहन सिंह को अनुविभागीय अधिकारी महोदय जी द्वारा मेडल और प्रशस्ति प्रमाण पत्र से ब्लॉक स्तर पर सम्मानित किया गया है। ये एक नवाचारी शिक्षक भी हैं विद्यालय में बच्चों को एक ऐसा माहौल दिया जाता है जिससे बच्चे अपने परिवेश से भी सीख सकें । सम्पूर्ण विद्यालय स्वच्छ और सुंदरता से भरपूर है। सर्व सुविधायुक्त विद्यालय में बच्चों को गतिविधि आधारित सिखाया जाता है बच्चे भयमुक्त और आनंद मय वातावरण में बहुत कुछ सीखते हैं और विद्यालय का परिणाम भी शतप्रतिशत रहता हैं। मोहन सिंह ठाकुर ने अपने व्यय और जनसहयोग से सभी बच्चों को एक ही रंग की स्वेटर वितरित की। और आई कार्ड प्रिंट कराकर बच्चों को वितरित किए । विद्यालय को एक निजी विद्यालय की तरह तैयार किया गया। सभी बच्चों की प्रतिदिन अच्छी उपस्तिथि रहती है।

कुष्ठ महज एक रोग है, जो छूने से नहीं अपितु रोगाणु से होता है स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान आज से 13 फरवरी तक

दमोह, भारत के स्वतंत्रा संग्राम के शहीदों की स्मृति में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों ने दो मिनिट का मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन अर्पण करने वाले सेनानियों को श्रृद्धांजलि दी गई। विश्व कुष्ठ निवारण दिवस के मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बैक ने बताया कि कुष्ठ महज एक दीर्घकालिक रोग है, किसी को छूने, हाथ मिलाने से नहीं होता, साथ-साथ उठने-बैठने, भोजन करने, गले लगाने से भी नहीं होता है। सामान्यतः कुष्ठ रोगाणुओं के प्रति कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग इससे प्रभावित होते है। चिकित्सक की देख-रेख में बहु-औषधि आधुनिक उपचार एम.डी.टी. का सेवन निरंतर लेने से यह रोग छः माह से एक साल तक पूर्णतः ठीक हो जाता है। इसे अनुपचारित छोड़ दिया जाये तो कुष्ठ रोग बढ़ जाता है। विकलांगता का अंदेशा अत्यधिक होता है। कुष्ठ रोग का उपचार सभी

शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध है। जिला कुष्ठ कार्यालय में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर जिले को कुष्ठ मुक्त करने हेतु मौजूद सेवाप्रदाताओं को संकल्पित कराया। साथ ही कुष्ठ उन्मूलन के लिए किये जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। इस मौके पर मौजूद जिला आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रियंका तारण एवं फिजियो थेरेपिस्ट रजनीश गांगरा, एनएमए, आशा कार्यकर्ता मौजूद रही। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कुष्ठ रोग को फैलने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका संक्रमित लोगों का शीघ्र निदान और उपचार करना है। स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान कुष्ठ रोगियों की पहचान के लिए आज 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलाया जायेगा। इस दौरान एन.एम.ए., आशा कार्यकर्ता, ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पहुँचकर कुष्ठ रोगियों के निकट संपर्क में आये बच्चों, परिजनों, आमजनों में कुष्ठ के लक्षणों की पहचान कर एम.डी.टी से उपचारित कराने का कार्य करेंगे। इसके अलावा शालाओं का भ्रमण कर कुष्ठ के लक्षणों के प्रति छात्र-छात्राओं को भी जागरूक किया जायेगा।

पाकिस्तान के क्वेटा में बलूच नरसंहार के खिलाफ सभा में उमड़ा ऐतिहासिक जनसैलाब

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान में क्वेटा के शाहवानी स्टेडियम ने बलूचिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ी सभाओं में से एक मेजबानी की। बलूच यकजेहती समिति द्वारा आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम बलूच नरसंहार के खिलाफ उनके अभियान का हिस्सा था। बलूचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और छात्रों के विविध समूह सहित हजारों की संख्या में लोग इस सभा में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बलूच नरसंहार और राज्य उत्पीड़न के खिलाफ नारे लगाए और बलूची भाषा के क्रांतिकारी गाने गाए। आयोजकों द्वारा जबरन गुमशुदगी से प्रभावित परिवारों के लिए अपने लापता रिश्तेदारों के बारे में विवरण प्रस्तुत करने के लिए एक केस पंजीकरण शिविर स्थापित किया गया था। इसके अतिरिक्त, बलूच यकजेहती समिति ने वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए 25 जनवरी को बलूच नरसंहार के वार्षिक दिवस के रूप में घोषित किया। बलूच यकजेहती समिति के नेता माहरंग बलूच ने विशाल सभा को संबोधित किया और रैली को एक महत्वपूर्ण क्षण और बलूचिस्तान में क्रांति की शुरुआत के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने भीड़ की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए कहा, आज, प्रतिभागियों ने साबित कर दिया है कि वे अपने प्रियजनों की बरामदगी के संघर्ष में अपनी माताओं और बहनों के साथ खड़े हैं। डॉ माहरंग बलूच ने पाकिस्तानी राज्य की नीतियों के खिलाफ दृढ़ अवज्ञा की आवश्यकता पर जोर दिया। सरकार की आलोचना करते हुए, उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों को बहरा और गूंगा और लोगों की आवाज़ के प्रति अनुत्तरदायी बताया। आंदोलन की निरंतरता की पुष्टि करते हुए उन्होंने प्रतिज्ञा की, उनके पास हथियार हैं, लेकिन हमारे पास अत्याचारों और अन्यायों के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखने का साहस है। पूरे बलूचिस्तान में आंदोलन के लिए व्यापक समर्थन का दावा करते हुए डॉ. बलूच ने स्पष्ट किया कि यह सभा सिर्फ एक धरने या पारंपरिक सार्वजनिक बैठक से कहीं अधिक थी। उन्होंने कहा, यह नोकुंडी से पारोम और कोह-ए-सुलेमान से मकुरान तक बलूच लोगों की आवाज है। अपने समापन भाषण में डॉ. बलूच ने आंदोलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा, यह आंदोलन बलूचिस्तान के अस्तित्व के लिए है और मैं इसकी रक्षा करना जारी रखूंगी ।।

अरबपति सुल्तान इब्राहिम ने मलेशिया के 17वें राजा के रूप में शपथ ली

कुआलालंपुर: मलेशिया के जोहोर राज्य पर शासन करने वाले अरबपति सुल्तान सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर (65) ने क्रमगत बदलाव वाली राजशाही व्यवस्था के तहत बुधवार को देश के 17वें राजा के रूप में शपथ ली। सुल्तान इब्राहिम ने महल में पद की शपथ ली। उन्होंने अन्य शाही परिवारों, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और कैबिनेट सदस्यों की मौजूदगी में एक समारोह में शपथ से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये। बाद में राज्याभिषेक समारोह आयोजित किया जायेगा। देश के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक, सुल्तान इब्राहिम के पास रियल एस्टेट से लेकर दूरसंचार और बिजली संयंत्रों तक एक व्यापक व्यापारिक साम्राज्य है। वर्ष 1957 में मलेशिया को ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से दुनिया की एकमात्र ऐसी व्यवस्था के तहत नौ शाही परिवारों के मुखिया हर पांच साल में बारी-बारी से राजा बनते हैं। मलेशिया में 13 राज्य हैं और केवल नौ में शाही परिवार हैं। पेराक राज्य के शासक और सिंहासन के अगले उत्तराधिकारी सुल्तान नाजरीन को उप राजा के रूप में फिर से चुना गया। राजा को 'यांग डि-पर्टुआन अगोंग के नाम से भी जाना जाता है। राजा बड़े पैमाने पर औपचारिक भूमिका निभाते हैं, क्योंकि प्रशासनिक शक्ति प्रधानमंत्री और संसद में निहित होती है। राजा के पास केवल आपातकाल की घोषणा करने और अपराधियों को क्षमा करने का अधिकार होता है। सुल्तान इब्राहिम, अल-सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह का स्थान लेंगे। सुल्तान इब्राहिम को कल्याणकारी मुद्दों के बारे में स्पष्ट रूप से अपनी बात रखने के लिए जाना जाता है और अपने राज्य में लोगों से मिलने के लिए अपनी मोटरसाइकिल से सड़क यात्राएं करते हैं। जेट विमानों के बेड़े के अलावा, सुल्तान इब्राहिम के पास कारों और मोटरसाइकिलों के साथ-साथ विदेशों में भी काफी संपत्तियां है। उनकी पत्नी जरीथ सोफिया एक अन्य शाही परिवार से हैं और वह ऑक्सफोर्ड स्नातक और एक लेखिका हैं। सोफिया ने बच्चों के लिए कई किताबें लिखी हैं। उनके पांच बेटे और एक बेटी है।

बंदरों के आतंक से परेशान नेपाल संसदीय समिति करेगी भारत का दौरा

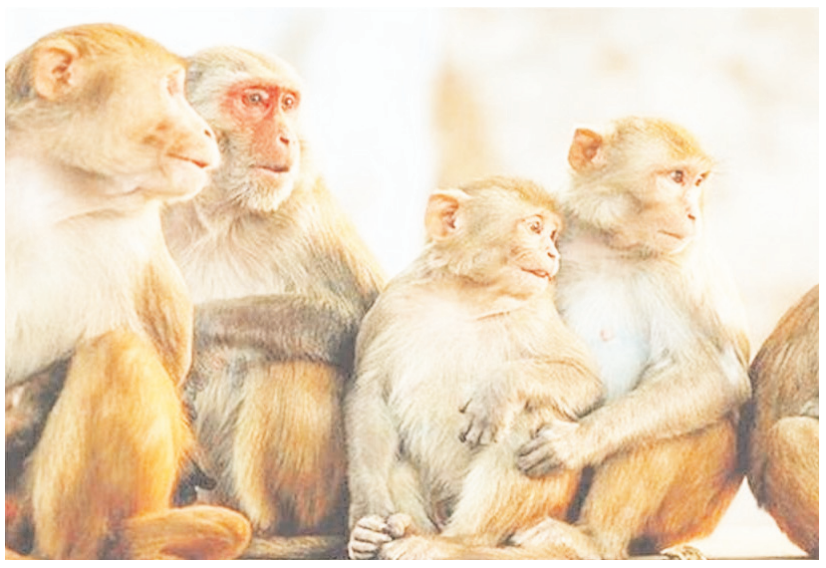

काठमांडू: नेपाल में ''बंदरों के आतंक के बारे में चिंताएं व्यक्त करने के बाद नेपाली सांसदों और डॉक्टरों की एक टीम बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने का अध्ययन करने के लिए भारत का दौरा करेगी। मीडिया की एक खबर में बुधवार को यह बात कही गई। 'माइ रिपब्लिका समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार इस दौरे से पहले कृषि, सहकारी और प्राकृतिक संसाधन समिति के सदस्यों ने संसदीय बैठकों में ''बंदरों के आतंक के मुद्दे को उठाया और नियंत्रण उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया था। इसमें कहा गया है कि भारत सरकार इस यात्रा में सहायता करेगी। दस पशु चिकित्सकों और पांच वन रेंजर के साथ, समिति बधियाकरण के माध्यम से बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने संबंधी अध्ययन के लिए हिमाचल प्रदेश की यात्रा करेगी। वर्ष 2016 में हिमाचल प्रदेश ने पहली बार बंदरों को एक साल के लिए ''नाशक जीव% घोषित किया, जिससे इस दौरान बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए उन्हें मारने की अनुमति मिल गई। सरकार ने 2021 तक कम से कम चार बार अनुमति की समय सीमा बढ़ाई। खबर में कहा गया है कि नेपाली प्रतिनिधि सभा की एक अन्य समिति के सदस्य संसदीय संवाद और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को भारत पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के सदस्य सात फरवरी को नेपाल लौटेंगे। 11 सदस्यीय इस समिति में आठ सांसद हैं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एचसी का किया रुख

गिरफ्तारी से पहले सीएम पद से दिया इस्तीफा

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार रात को झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले से जुड़े धनशोधन के आरोप में सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी की पीठ बृहस्पतिवार सुबह साढ़े 10 बजे सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगी।

चीनी हैकर्स अमेरिका में ला सकते हैं तबाही, एफबीआई चीफ की चेतावनी- इंफ्रास्ट्रक्चर पर कर सकते हैं हमला

अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने चेतावनी दी है कि चीनी हैकर्स अमेरिका के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर हमला कर तबाही ला सकते हैं। रे ने चीनी साम्यवादी पार्टी पर अमेरिकी संसद की कमेटी को बताया कि चीनी हैकर्स अमेरिका के इंफ्रास्ट्रक्चर में सेंध लगा चुके हैं और चीन के इशारे पर अमेरिका में भारी तबाही ला सकते हैं और अमेरिकी नागरिकों को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। इन जगहों को निशाना बना सकते हैं चीनी हैकर्स एफबीआई चीफ ने कहा कि चीनी हैकर्स वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इलेक्ट्रिक ग्रिड और तेल और नेचुरल गैस पाइलपाइंस को निशाना बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए बड़ा खतरा है। चीन की सरकार ने अमेरिका में हैकिंग के आरोपों से पूर्व में इनकार किया था। क्रिस्टोफर रे ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी के मामले में हमारी कुछ कमजोरियां हैं, जिसकी वजह से आसानी से चीनी हैकर्स ने सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर सेंध लगा दी है। अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी के प्रमुख जीन ईस्टरली ने भी एफबीआई चीफ की आशंका का समर्थन किया। अमेरिका-चीन तनाव को कम करने के लिए कर रहे बातचीत

एफबीआई निदेशक की चेतावनी ऐसे समय आयी है, जब अमेरिका और चीन, दोनों ही देश तनाव को कम करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीनी समकक्ष के बीच बैंकॉक में अहम बैठक हुई थी। यह बैठक करीब 12 घंटे चली, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के हालात, उत्तर कोरिया आदि विषयों पर बातचीत हुई थी। अमेरिका द्वारा भी चीनी हैकर्स के साइबर हमले को रोकने की कोशिश की जा रही है और इसके लिए कई संदिग्ध कोड को केंद्रीय डिवाइस से हटाया जा रहा है, लेकिन माना जाता है कि चीनी हैकर्स की पहुंच काफी गहरी है और अभी भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

उत्तराखंड में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश

बर्फबारी एवं आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी

देहरादून: मौसम विभाग ने बुधवार शाम से 24 घंटे की अवधि के दौरान उत्तराखंड की पहाड़ियों में कहीं-कहीं भारी बारिश, बर्फबारी एवं आंधी-तूफान का पीला अलर्ट जारी किया है। विभाग ने इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी से पहाड़ों में सड़कें और राजमार्ग बाधित हो सकते हैं तथा बिजली की आपूर्ति ठप हो सकती है। इस दौरान भूस्खलन की संभावना जताते हुए विभाग ने लोगों से सावधान रहने के लिए कहा है। वहीं मौसम विभाग ने 2500 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई पर कुछ स्थानों पर हिमपात एवं निचले इलाकों में बारिश की संभावना व्यक्त की है।

सऊदी अरब का एक और चौंकाने वाला फैसला, मक्का मदीना मस्जिद में निकाह को लेकर जारी किए नए आदेश

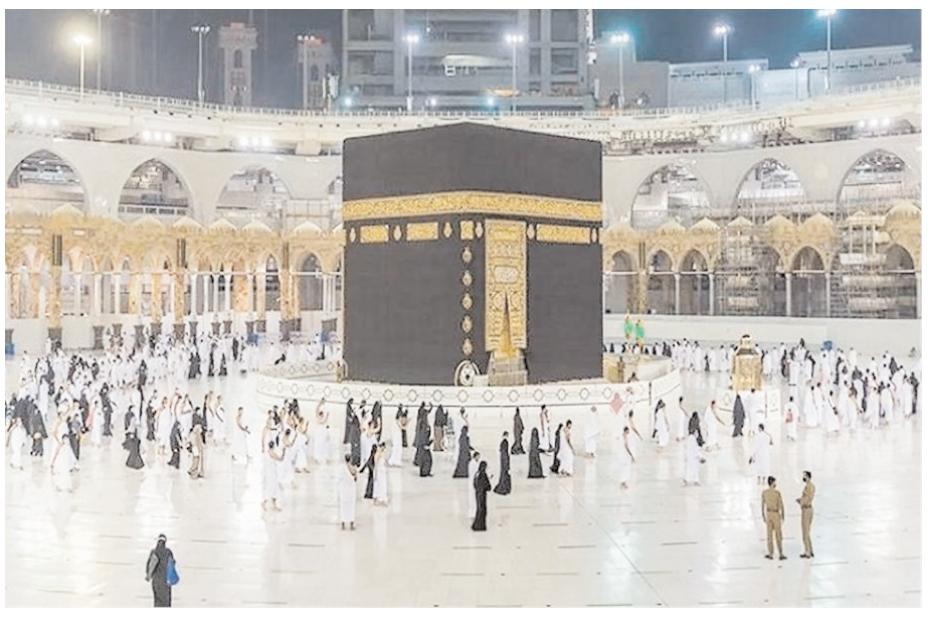

दुबई: सऊदी अरब प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में अपनी रूढ़िवादी इस्लामिक छवि को बदलने की राह पर है। अपने नए फैसले में सऊदी अरब ने अधिक से अधिक पर्यटकों और हाजियों को आकर्षित करने के लिए मक्का और मदीना की मस्जिद में निकाह को लेकर एक अहम और चौंकाने वाला ऐलान लिया है । सऊदी अरब ने मक्का में ग्रैंड मस्जिद और मदीना में पैंगबर की मस्जिद में निकाह करने की अनुमति दे दी है। सऊदी अरब तेल से हो रही कमाई पर निर्भरता को कम करने के लिए इंकम बढ़ाने के नए तौर-तरीके पेश कर रहा है। क्राउन प्रिंस के नेतृत्व में सऊदी अरब वैश्विक जरूरतों और भविष्य को देखते हुए संस्कृति, पर्यटन और फैशन क्षेत्र में खुद को विकसित कर पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों- मक्का में ग्रैंड मस्जिद और मदीना में पैगंबर की मस्जिद में निकाह किए जा सकते हैं। गल्फ न्यूज के अनुसार सऊदी अरब का यह कदम हाजियों और पर्यटकों के अनुभवों को और बेहतर करने की पहल का हिस्सा है।सरकार के पर्यवेक्षकों का कहना है कि सरकार की यह पहल निकाह से जुड़ी कंपनियों को इस क्षेत्र में और अवसर देगा। सऊदी मजून यानी विवाह अधिकारी मुसैद अल-जाबरी ने पैगंबर की मस्जिद में निकाह करने की अनुमति पर कहा कि पैगंबर मुहम्मद की मस्जिद पहले से ही निकाह कराने के लिए जानी जाती है। सरकार के इस कदम से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार पहले से मौजूद प्रथा को रेगुलेट करना चाहती है क्योंकि पैगंबर की मस्जिद में निकाह का संचालन स्थानीय लोगों के बीच पहले से ही आम है। उन्होंने आगे कहा कि निकाह के समय अधिकांश रिश्तेदारों को बुलाने की परंपरा है लेकिन अक्सर होने वाली पत्नी के परिवार वाले सभी लोगों को नहीं बुला पाते हैं ऐसे में पैगंबर की मस्जिद या क्यूबा मस्जिद (इस्लाम में निर्मित पहली मस्जिद) में निकाह करवाया जाता है।हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वलीमा या निकाह की दावत आयोजित करने से पहले अपने इस्लामी अनुबंधों को पूरा करने के लिए मदीना जाने वाले अमीर मुसलमानों की संख्या काफी बढ़ रही है। इससे पहले क्राउन प्रिंस सऊदी ने अरब में शराब का पहला स्टोर खोलने का ऐलान कर दुनिया को चौंका दिया था। इसे सलमान के विजन 2030 का हिस्सा माना जा रहा है ।राजधानी रियाद में खुलने जा रहे इस स्टोर से सिर्फ गैर मुस्लिम डिप्लोमैट्स को ही शराब बेची जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, इस स्टोर से शराब खरीदने के लिए ग्राहकों को मोबाइल ऐप के जरिए खुद को रजिस्टर कराना होगा । इस कदम को भी सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अगुवाई में सरकार के प्रगतिशील कदमों की दिशा में उठाई गई उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है ।

पाकिस्तान में चुनाव प्रचार दौरान इमरान खान की पार्टी के नेता की गोली मारकर हत्या, 3 घायल

पेशावर: पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक नेता की चुनाव प्रचार के दौरान बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आम चुनाव में बाजौर निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरे रेहान जैब खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई जबकि इस घटना में उनके तीन समर्थक घायल हो गए। पाकिस्तान में आठ फरवरी को चुनाव होने हैं। पीटीआई के चुनाव लड़ने पर रोक संबंधी अदालती आदेश के बाद वह स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे। वह और उनके समर्थक खैबर पख्तूनख्वा के सिद्दीक अबाद फाटक बाजार के मुख्य चौक इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एनए-8 बाजौर से पीटीआई नेता रेहान जैब खान की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। चुनाव प्रचार के दौरान हुई घटना में उनके तीन समर्थक घायल हो गए। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और अपराधियों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। एक दिन पहले ही मंगलवार को पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में पीटीआई की रैली के पास बम विस्फोट होने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी जबकि पांच अन्य घायल हो गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569